रविवार, 8 जून 2025

मौसम

तापमान	28 – 35
आर्द्रता	68%
सूर्योदयः 4:51	सूर्यास्तः 18:19

www.samagya.in

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥

समाज्ञा

कोलकाता, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष द्वादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ सकता हूं, पर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नजर नहीं: चिराग -पृष्ठ 5

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन और चार पर

सुविचार : खुद को नियंत्रित करनेवाले से अधिक बलशाली कोई नहीं।

11 साल में 27 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले : वर्ल्ड बैंक

अत्यधिक गरीबी दर 27.1% से घटकर 5.3% हुई

- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश ने गरीबी घटाने में योगदान दिया
- शहरों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से 1.1 फीसदी पर आई

फाइल फोटो

नई दिल्ली : वर्ल्ड बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने पिछले दशक में अपनी अत्यधिक गरीबी दर को कम करने में प्रगति की है। देश में अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत दर्ज की गई है।

भारत में 2011-12 के दौरान कुल 344.47 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जो कि 2022-23 के दौरान घटकर लगभग 75.24 मिलियन लोग रह गए हैं।

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में लगभग 11 वर्षों में 269 मिलियन व्यक्तियों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश पांच राज्यों में 2011-12 के दौरान भारत के 65 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते थे। वहीं, इन राज्यों ने 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में होने वाली कुल गिरावट में दो-तिहाई योगदान दिया।

गरीबी मापने का पैमाना क्या था?

विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि पूर्ण रूप से, अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 344.47 मिलियन से घटकर केवल 75.24 मिलियन रह गई है। इसका आकलन तीन डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों का उपयोग कर) पर आधारित है, जो कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक कमी दर्शाता है।

विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की खपत पर (2017 की कीमतों पर आधारित पिछली गरीबी रेखा) अत्यधिक गरीबी में रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी 2.3 प्रतिशत है, जो 2011-12 में दर्ज 16.2 प्रतिशत से काफी कम है।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 2.15 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 33.66 मिलियन दर्ज की गई है, जो 2011 में 205.93 मिलियन दर्ज की गई थी।

गांवों और शहरों में कम हुई गरीबी

आंकड़ों से यह भी पता चला कि यह तीव्र गिरावट समान रूप से देखी गई, जिसमें ग्रामीण अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई और शहरी अत्यधिक गरीबी पिछले 11 वर्षों में 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई। इसके अलावा, भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी शानदार प्रगति की है।

आंकड़ों के अनुसार, बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 तक 16.4 प्रतिशत हो गया और 2022-23 में और अधिक घटकर 15.5 प्रतिशत हो गया।

11 सालों में गरीबी हटाने पर दिया गया ध्यान

केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों, इंफ्रास्ट्रक्चर और समावेशन पर फोकस को अहम बताया।

पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को बढ़ाया है।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), डिजिटल समावेशन और मजबूत ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर ने पारदर्शिता और अंतिम छोर तक लाभों की तेजी से डिलीवरी सुनिश्चित की है, जिससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से उबरने में मदद मिली है।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला चौथी मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए 10 जून को रवाना होंगे

नयी दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य 10 जून को फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से एक्सिओम स्पेस की चौथी मानव अंतरिक्ष उड़ान पर रवाना होंगे और लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद 11 जून को भारतीय समयानुसार रात लगभग 10 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने की संभावना है। एक्सिओम-4 मिशन के पायलट शुक्ला के अलावा, अन्य चालक दल में पोलैंड से स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की और हंगरी से टिबोर कापू और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन शामिल हैं। इस प्रक्षेपण के साथ ही शुक्ला लगभग चार दशक बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। राकेश शर्मा ने 1984 में रूस के सोयूज अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा की थी। नासा ने एक बयान में कहा कि कंपनी के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपण के बाद चालक दल नए स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर परिक्रमा प्रयोगशाला की यात्रा करेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों की समीक्षा के लिए पिछले सप्ताह एक्सिओम स्पेस का दौरा किया था। यात्रा की तैयारी के लिए अंतरिक्ष यात्री 25 मई से ही पृथक-वास में हैं और 10 जून को प्रक्षेपण से पहले प्रशिक्षण ले रहे हैं। एक्सिओम स्पेस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक्स4 चालक दल व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करता है, जिसमें पानी के नीचे से बच निकलने के अभ्यास जैसे कई प्रशिक्षण शामिल हैं।''

एहतियातन हिरासत राज्य के हाथ में असाधारण शक्ति, इसका संयम से प्रयोग किया जाना चाहिए: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एहतियातन हिरासत राज्य को दी गई एक असाधारण शक्ति है, जिसका प्रयोग संयम से किया जाना चाहिए। न्यायालय ने इसी के साथ जिलाधिकारी द्वारा एक साहूकार को हिरासत में लेने के आदेश को खारिज कर दिया, जो चार मामलों में जमानत मिलने के बाद कथित तौर पर फिर से अवैध गतिविधियों में लिप्त था। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने हिरासत में लेने वाले प्राधिकारी की इस दलील पर सवाल उठाया कि यह आदेश इसलिए पारित किया गया क्योंकि हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने इन मामलों में जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया था। पीठ ने कहा कि इसके बजाय प्राधिकारी को जमानत रद्द करने के लिए सक्षम न्यायालय में याचिका दायर करनी चाहिए थी। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को सुनाए गए आदेश में कहा, ''इसलिए, 20 जून, 2024 के हिरासत के आदेश और एर्णाकुलम स्थित केरल उच्च न्यायालय द्वारा पारित चार सितंबर, 2024 के विवादित फैसले को रद्द किया जाता है। इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अपील मंजूर की जाती है।'' पीठ ने रेखांकित किया कि एहतियातन हिरासत की शक्ति को संविधान में अनुच्छेद 22(3)(बी) के तहत मान्यता प्राप्त है। शीर्ष अदालत ने कहा, ''एहतियातन हिरासत का प्रावधान राज्य के हाथों में एक असाधारण शक्ति है, जिसका संयम से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह प्रावधान किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को भविष्य में किसी अपराध के किए जाने की आशंका के आधार पर सीमित करता है, और इसलिए इसका उपयोग सामान्य परिस्थितियों में नहीं किया जाना चाहिए।''

बेंगलुरु भगदड़ : कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सरकार से नौ अहम सवालों पर जवाब मांगा

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने के लिए किसने अनुमति दी थी? यह निर्णय कब और कैसे लिया गया था? क्या आयोजकों ने आवश्यक अनुमति ली थी? ये वे प्रश्न हैं जिनके उत्तर कर्नाटक सरकार को चार जून को हुई भगदड़ के संबंध में 10 जून तक उच्च न्यायालय में दाखिल करने होंगे। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को नौ महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी की खंडपीठ ने इस त्रासदी के मद्देनजर अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर दायर की गई रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए बृहस्पतिवार को ये सवाल पूछे। सरकार को 10 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा गया है। यह भगदड़ चार जून की शाम को चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई, जहां बड़ी संख्या में लोग आरसीबी टीम की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जीत के जश्न में भाग लेने के लिए उमड़े थे। इस घटना में 11 लोग मारे गए और 56 घायल हो गए। पीठ ने खेल आयोजनों और इस पैमाने के सार्वजनिक समारोहों के लिए 50,000 से अधिक लोगों की सभाओं के प्रबंधन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अस्तित्व पर भी सवाल उठाया। पीठ की ओर से पूछे गए शेष प्रश्न राज्य की तैयारी और प्रतिक्रिया पर केंद्रित थे, जैसे: आयोजन स्थल के आसपास यातायात को नियंत्रित करने के लिए क्या उपाय किए गए? भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्या व्यवस्था की गई थी? मौके पर कौन सी चिकित्सा और आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध थीं? क्या पहले से उपस्थित लोगों की संख्या का अनुमान लगाया गया था? पीठ ने इसके अलावा पूछा कि, क्या घायलों को घटनास्थल पर तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई? यदि नहीं, तो क्यों? और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में कितना समय लगा? राजनीतिक और आधिकारिक सूत्रों ने संकेत दिया कि इन कठिन सवालों और न्यायिक जांच के कारण ही राज्य सरकार ने बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद सहित पांच वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ : बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो महिला समेत पांच नक्सली ढेर

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ के बाद दो महिला समेत पांच नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों ने पिछले चार दिनों में दो नक्सली नेता समेत कुल सात नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए सभी सात नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार चार जून से बीजापुर जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान जारी है। इस अभियान में राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ), जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशिष्ट इकाई कोबरा बटालियन के जवान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पांच जून को सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में माओवादियों के नेता सुधाकर उर्फ गौतम का शव बरामद किया गया था। इसके बाद छह जून को तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य भास्कर का शव बरामद किया गया। सुधाकर पर 40 लाख रुपये तथा भास्कर पर 45 लाख रुपये का इनाम था।

छिपाने से विश्वसनीयता नहीं बचेगी, सच बोलने से रहेगी : राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग से कहा

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावों को बेतुका बताया

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों को निर्वाचन आयोग के सूत्रों की ओर से खारिज किये जाने के बाद उस पर पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि छिपाने से इसकी विश्वसनीयता सुरक्षित नहीं रहेगी बल्कि सच बोलने से बचेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक लेख में आरोप लगाया कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ''लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट'' था। उन्होंने दावा किया कि यह ''मैच फिक्सिंग'' अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा, जहां-जहां भाजपा हार रही होगी। गांधी ने 'एक्स' पर कहा, प्रिय निर्वाचन आयोग, आप एक संवैधानिक संस्था हैं। बिना हस्ताक्षर के,छिपाने वाले नोट जारी करना, गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। उन्होंने कहा, अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें: महाराष्ट्र समेत सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभाओं के हाल में हुए चुनावों के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करें।

यात्रियों की आधार आईडी की जांच करें, जाली होने पर कार्रवाई करें

रेल मंत्रालय का सभी जोन को निर्देश

नयी दिल्ली : रेल मंत्रालय ने देश के सभी रेलवे जोन को निर्देश दिया है कि टिकट जांच कर्मी यात्रियों की आधार पहचान की वास्तविक समय में 'एम-आधार एप्लिकेशन' के माध्यम से जांच करें और यदि कोई आधार कार्ड फर्जी पाया जाता है तो तत्काल कार्रवाई की जाए। यह निर्देश उन मामलों के सामने आने के बाद जारी किया गया है जिनमें कुछ लोग फर्जी या जाली आधार कार्ड के साथ भारत में अनाधिकृत रूप से रह रहे हैं तथा रोजगार और यात्रा सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए पहचान प्रमाण के रूप में इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। रेल मंत्रालय ने प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधकों को संबोधित पत्र में कहा, आधार कार्ड के दुरुपयोग और पहचान की जालसाजी को रोकने के लिए यह आवश्यक हो गया है कि पहचान सत्यापन की प्रक्रिया को और मजबूत किया जाए। टिकट जांच कर्मियों को बिना किसी पूर्व निर्धारित क्रम के यात्रियों के पहचान-पत्र की जांच और सत्यापन करना चाहिए। पत्र में उल्लेख किया गया है कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा विकसित 'एम-आधार एप्लिकेशन' असली पहचान की जांच के लिए उपयोगी है। इस ऐप में क्यूआर कोड आधारित सत्यापन की सुविधा उपलब्ध है। रेल मंत्रालय ने बताया कि आधार कार्ड पर मौजूद क्यूआर कोड को स्कैन करने पर उस व्यक्ति की तस्वीर, नाम, लिंग, जन्म तिथि, पता और आधार संख्या जैसी मुख्य पहचान जानकारी स्क्रीन पर दिखाई देती है जिससे दस्तावेज़ की प्रामाणिकता का तुरंत सत्यापन किया जा सकता है। पत्र में यह भी बताया गया कि यह एप्लिकेशन ऑफलाइन मोड में भी कार्य करता है, जिससे यह जालसाजी और फर्जी पहचान की घटनाओं को रोकने में उपयोगी साबित हो सकता है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन किया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ बैठक में आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। लैमी ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि लैमी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। मोदी ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते और दोहरे योगदान समझौते के सफल समापन पर संतोष व्यक्त किया। मोदी ने दोनों पक्षों के रचनात्मक सहयोग की सराहना की जिसके कारण यह मील का पत्थर हासिल हुआ। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों की गति में आई बढ़ोतरी का स्वागत किया और भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के गहरा होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल के तहत निरंतर सहयोग का स्वागत किया और विश्वसनीय और सुरक्षित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने की इसकी क्षमता का उल्लेख किया। लैमी ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने में ब्रिटेन की गहरी रुचि व्यक्त की।

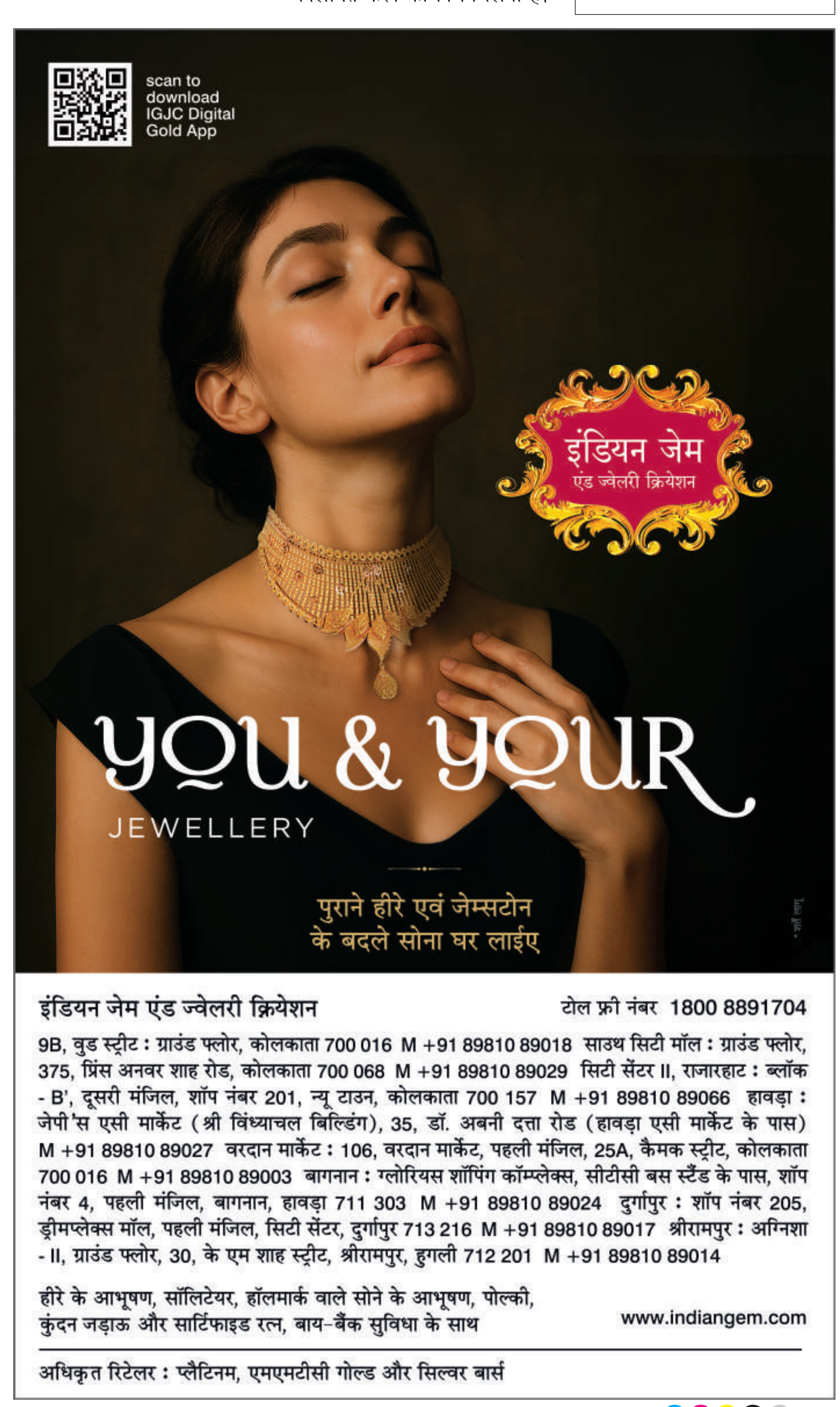

आज का पंचांग

कोलकाता : 8 जून, रविवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष द्वादशी, 07:17 तक, नक्षत्र : स्वाति, 12:34 तक, योग : परिघा, 12:09 तक, सूर्योदय: 4:51, सूर्यास्त: 18:19, चन्द्रोदय : 15:52, चन्द्रास्त: 02:21, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 16:35 से 18:16

साप्ताहिक : राशिफल
08-06-25 से 14-06-25

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : राशि के जातकों के लिए सप्ताह ठीक-ठाक रहेगा। सेहत की बात करें तो मौसम का बदलाव खांसी, जुकाम आदि की समस्या परेशान कर सकता है। व्यापारियों के मन में ओवर कॉन्फिडेंस बना रहेगा, जिसके कारण परेशानी में भी पड़ सकते हैं। नौकरी करने वाले जातक आज अपनी नौकरी में बदलाव कर सकते हैं, नई नौकरी मिल सकती है। आपके रुपए पैसे की बात करें तो खर्चो की अधिकता के कारण आपको बहुत अधिक परेशान रहेंगे। प्रेम के रास्ते में अहंकार को दूर रखें, अन्यथा दरार बढ़ सकती है।

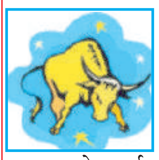

वृष : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : राशि के जातकों के लिए यह ठीक-ठाक रहेगा। इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। आप पूरे दोस्त के साथ अपने सप्ताह की शुरुआत कर सकते हैं। व्यवसाय और करियर की बात करें तो व्यापार में आपका जो कार्यालय उसमें आपको बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। नौकरी वाले छात्रों को नौकरी के साथ बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। आपकी किस्मत पूरा साथ देगी।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह : इस सप्ताह आपके स्वास्थ्य की बात करें तो आपका स्वास्थ्य फुर्ती से भरा रहेगा। आपकी प्रेम संबंध की बात करें तो आप अपनी प्रेमी के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। शादीशुदा जीवन भी बहुत अधिक बढ़िया रहेगा। आप अपने जीवन साथी के साथ कहीं बाहर घूमने के लिए जा सकते हैं। आपके दोनों रुपए पैसे की बात करें तो आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अधिक अच्छी रहेगी। खर्च कम होंगे और आपको आमदनी बहुत अधिक हो सकती है।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : इस सप्ताह आपकी आंखों में किसी प्रकार की कोई समस्या हो सकती है। अच्छे से डॉक्टर से इलाज कराएं। मौसम बदलाव के कारण खांसी जुकाम आदि के शिकार हो सकते हैं। आप अपने प्रेमी के साथ मिलकर बड़ा ही रोमानी समय बिताएंगे। आज आप अपने घर से जीवन में कुछ खास करने की कोशिश करेंगे। जिससे आपका जीवन साथी खुश रहेगा। व्यापार वाले जातक यदि इतना व्यापार में बदलाव चाहते हैं तो किसी की सलाह के बिना कोई कार्य न करें।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : राशि के जातकों के लिए सप्ताह अच्छा रहेगा। आपके स्वास्थ्य की बात करें तो बाहरी खाने के कारण आपका पेट खराब हो सकता है।। प्रेमी जातकों के बात करें तो आज आपके संबंधों में किस कारण से अलगाव की स्थिति आ सकती है। दांपत्य जीवन में भी कुछ खटपट देखने को मिल सकती है। यदि आप शेयर मार्केट में पैसा लगाना चाहते हैं तो बिना किसी सलाह मशविरा के कोई कार्य न करें। शिक्षा के क्षेत्र में आपको कामयाबी मिल सकती है। इस सप्ताह यदि आप कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो लोन ले सकते हैं।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : राशि के जातकों के लिए आज का दिन ठीक- ठाक रहेगा। सर्दी के कारण आपको नसों की समस्या परेशान कर सकती है। प्रेम संबंधों की बात करें उसके लिए अच्छा समय रहेगा। आप अपनी फैमिली के साथ बड़ा रोमानी समय बिताएगे। आपको अपने व्यापार में आपको कोई अच्छी डिल प्राप्त हो सकती है। नौकरी वाले जातकों के लिए सप्ताह संघर्ष से भरा रहेगा। इस सप्ताह आपकी इनकम में बढ़ोतरी हो सकती है, उसके साथ-साथ आपके खर्च भी बहुत अधिक बढ सकते हैं।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते : राशि के जातको के स्वास्थ्य की बात करें तो यदि आपको कोई ब्लड से रिलेटेड बीमारी थी तो वह परेशान कर सकती है। व्यापारी अपनी व्यापार को लेकर आज कॉन्फिडेंट रहेंगे तथा नौकरी पेशा वाले जातक नौकरी में बदलाव चाहते हैं तो अच्छा समय रहेगा। प्रेमी जातकों की बात करें तो आज आपका अपने प्रेमी के साथ में किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है, जिसके कारण आपस में दूरियां बढ़ सकती है। वैवाहिक संबंधों में आपसी तनाव महसूस कर सकते हैं, जिसके कारण झगड़ा हो सकता हैं। धनु की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धन से जुड़ा हुआ कोई नुकसान भी हो सकता है।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : राशि वाले जातकों के लिए ठीक रहेगा। इस सप्ताह आपकी सेहत की बात करें तो आपको सर्दी खांसी जुकाम आदि जैसी समस्याएं परेशान कर सकते हैं। व्यापारी करियर की बात करें तो यदि आपका कोई व्यापार से संबंधित सरकारी काम अटका हुआ था तो वह आज समय से पूरा हो सकता है। किसी से नौकरी में बहस हो हो सकती है। इसलिए आप अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। प्रेम और संबंध की बात करें तो आपका प्रेमी के साथ आपका समय बहुत अधिक प्रेम भरा रहेगा।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे : इस सप्ताह आपकी सेहत की बात करें तो आप अपने शरीर को फिट रखने के लिए नियमित योगासन बहुत व्यायाम अवश्य करें। आपके व्यवसाय और करियर की बात करें तो व्यापारियों को अपना व्यापार को आगे ले जाने में आर्थिक मदद मिल सकती है। इस सप्ताह आपके प्रेम और संबंध की बात करे तो आज आपके जीवन में किसी दूसरे व्यक्ति के आने से अनबन की स्थिति आ सकती है। शादीशुदा लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आप अपने साथी के साथ कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : इस सप्ताह आपकी सेहत की बात करें तो आप स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। आपको मेडिटेशन करना होगा अन्यथा, समस्याओं का शिकार हो सकते हैं। प्रेमी जातकों की बात करें तो आप अपने साथी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें। आप अपने साथी के साथ बड़ा ही रोमांस वाला समय बिताएंगे। व्यापार करने वाले जातक यदि किसी प्रकार का व्यापार से संबंधित निवेश करना चाहते हैं तो आपकी बहन से आपका कुछ वाद विवाद हो सकता है।

कुम्भ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : इस सप्ताह आप की सेहत की बात करें तो आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, परंतु आप खानपान में नियंत्रण बरतें। आपके करियर और व्यवसाय की बात करें तो यदि आप नया व्यापार करने की सोच रहे है तो आपको सफलता मिल सकती है। अपने दफ्तर में अपनी अच्छी परफॉर्मेंस से प्रशंसा पा सकते हैं। आपकी प्रेम और संबंध बात करें तो प्रेम संबंध में आज कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए आप सावधान रहें। शादीशुदा जातकों को अपने अहम को त्यागना होगा अन्यथा, आपके परिवार में बहुत अधिक विवाद हो सकता है।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची : इस सप्ताह में मीन राशि के जातकों के की सेहत की बात करें तो आप अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। आपको आपके व्यापार में मनचाहे परिणाम मिल सकते है। वैवाहिक संबंधों के लिए समय अच्छा रहेगा। आपका पैसा घूमने-फिरने में बहुत अधिक खत्म हो सकता है। शेयर मार्केट में लंबे समय तक के लिए निवेश कर सकते हैं। इस सप्ताह आप अपनी शिक्षा की ओर बहुत अधिक ध्यान दे सकते हैं। आपकी मेहनत से आपको मनचाहा परिणाम भी मिल सकता है।

केरल में भारत माता का अपमान यह केवल चित्र नहीं देश की आत्मा पर चोट है!

अजय कुमार

भारत माता एक ऐसा नाम, एक ऐसा भाव, जो करोड़ों भारतीयों के दिल की धड़कन है। जब कोई भारत माता की जय बोलता है, तो ये केवल एक नारा नहीं होता, बल्कि एक ऐसी पुकार होती है, जिसमें देशभक्ति, श्रद्धा और मातृत्व का गहरा बोध समाहित होता है। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, उसी भारत माता की तस्वीर अब देश के भीतर विवाद की जड़ बन रही है। जिस तस्वीर के सामने स्वतंत्रता सेनानी सिर झुकाकर बलिदान की प्रेरणा लेते थे, उसे देखकर अब केरल के एक मंत्री की आंखें चुभने लगी हैं। केरल के कृषि मंत्री पी प्रसाद ने पर्यावरण दिवस पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम का सिर्फ इसलिए बहिष्कार कर दिया क्योंकि मंच पर भारत माता की तस्वीर लगी थी। यह घटना एक प्रतीक भर नहीं है, यह उस वैचारिक युद्ध की प्रत्यक्ष झलक है जो अब भारत की आत्मा से टकरा रहा है।

पी प्रसाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता हैं। वही पार्टी जिसकी जड़ें भारत में नहीं, बल्कि 1920 के दशक में सोवियत रूस के ताशकंद में पड़ीं। एक विदेशी धरती पर जन्मी विचारधारा का भारत में प्रवेश होना ही एक चेतावनी थी कि इसकी नज़र भारतीय संस्कृति, परंपरा और भावनाओं से मेल नहीं खाती। और यही हुआ भी। आजादी के आंदोलन में जब देश के कोने-कोने में भारत माता की जय के उद्घोष के साथ आंदोलनकारी सड़कों पर उतर रहे थे, उसी वक्त वामपंथी विचारधारा सोवियत संघ के हितों की रक्षा में व्यस्त थी। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में इनका हिस्सा न बनना इस बात की सबसे बड़ी गवाही है।

जब-जब भारत माता का स्वर प्रबल हुआ, तब-तब लेफ्ट ने अपना मुख कहीं और मोड़ लिया। जब महात्मा गांधी अंग्रेजों को भारत छोड़ो कह रहे थे, तब कम्युनिस्ट नेता सोवियत संघ की नीति के अनुसार चुप बैठे थे। जब 1962 में चीन ने भारत की सीमाओं पर हमला किया, तब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने न केवल चीन के दावों का समर्थन किया, बल्कि 'बीजिंग नजदीक है, दिल्ली दूर' जैसे नारे दिए। एक विचारधारा जो भारत माता को मां नहीं मानती, बल्कि एक साम्राज्यवादी कल्पना मानती है, वो विचारधारा जब सत्ता में आती है, तो भारत माता की तस्वीर से चिढ़ होना स्वाभाविक हो जाता है।

भारत माता का चित्र कोई धर्म विशेष का प्रतीक नहीं है। यह चित्र अबनिंद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बनाया था, जिसमें भारत को चार हाथों वाली देवी के रूप में दर्शाया गया, जिनके हाथों में वेद, चावल, सफेद वस्त्र और माला होती थी। ये प्रतीक उस भारत का था, जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, आत्मनिर्भर और ज्ञान से परिपूर्ण था। यह चित्र उस समय बना जब बंग-भंग के कारण राष्ट्रवाद की लहर तेज हो रही थी। भारत माता उस राष्ट्रवादी चेतना का नाम थी जिसने आजादी की लड़ाई को जनांदोलन में बदल दिया। यही कारण था कि वीर सावरकर से लेकर भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस तक, सभी भारत माता को केंद्र में रखकर लड़ते रहे।

लेकिन अब उस चित्र को लेकर यह तर्क दिया जा रहा है कि वह सरकारी रूप से अधिकृत प्रतीक नहीं है। केरल सरकार ने यहां तक कह दिया कि भारत माता का कोई आधिकारिक चित्र नहीं है और इसीलिए उसे किसी सरकारी मंच पर रखना असंवैधानिक है। कृषि मंत्री पी प्रसाद ने यह आरोप लगाया कि भारत माता के चित्र पर एक राजनीतिक संगठन का झंडा लगा हुआ था, इसलिए वे उसे स्वीकार नहीं कर सकते। सवाल यह है कि क्या भारत माता अब केवल एक पार्टी का विचार बन गई है? क्या आज भारत माता की जय बोलना किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़ गया है?

राज्यपाल राजेंद्र वी. आर्लेकर ने इस पूरे विवाद में स्पष्ट कहा कि भारत माता के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। यह बयान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं था, यह उस करोड़ों भारतीयों की भावना का प्रतिनिधित्व करता था जो भारत माता को केवल एक प्रतीक नहीं, एक सजीव सत्ता मानते हैं। लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी भी इस मुद्दे में कूद पड़े और बोले कि राज्यपाल को राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। यानी अब भारत माता की तस्वीर रखना राजनीति है, लेकिन उस पर आपत्ति जताना राष्ट्रहित!

भारत माता की तस्वीर को लेकर इतने तीव्र विरोध का अर्थ केवल एक सांस्कृतिक टकराव नहीं है। यह उस दीर्घकालीन वैचारिक विभाजन का परिणाम है जिसमें एक धड़ा सदैव भारत को सिर्फ एक भूगोल मानता आया है, जबकि दूसरा धड़ा इसे मातृभूमि के रूप में देखता रहा है। लेफ्ट की राजनीति हमेशा विदेशी सिद्धांतों से प्रेरित रही है। चाहे वह मार्क्सवाद हो या माओवाद, भारतीय सोच और परंपरा का इसमें कोई स्थान नहीं रहा। यही कारण है कि भारत माता के चित्र से इन्हें चिढ़ होती है। क्योंकि यह चित्र उस भारत का प्रतिनिधित्व करता है जो अपने सांस्कृतिक गौरव पर गर्व करता है, जो अपने इतिहास से सीखता है, और जो मां को ईश्वर के समान मानता है।

आज यह सोच केवल केरल तक सीमित नहीं है। यह सोच देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद है, जो भारत के मूलभाव को छिन्न-भिन्न करने पर तुली हुई है। यह वही सोच है जो 'अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं' जैसे नारे देती है। यह वही सोच है जो कभी जेएनयू से उठती है और कभी कन्हैया कुमार की आवाज़ बनकर फैलती है। अब इस सोच को अगर सरकार का संरक्षण मिल जाए, तो वह भारत माता की तस्वीर को मंच से हटवाने का साहस कर बैठती है।

लेकिन यहां एक और गहरी बात छुपी है। आज देश में राष्ट्रवाद को संकीर्ण दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति बढ़ी है। भारत माता की तस्वीर या 'वंदे मातरम्' जैसे नारों को कुछ लोग धार्मिक रंग में रंगने की कोशिश करते हैं। परंतु यह चित्र और ये नारे केवल धार्मिक नहीं, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक हैं। भारत माता का चित्र देखकर किसी को आपत्ति होती है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उनका भारत से जुड़ाव केवल संविधान की किताबों तक सीमित है? क्या वे उस भारत को नहीं पहचानते जिसे करोड़ों लोग माँ कहते हैं?

इस विवाद पर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाया। प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने राज्य सरकार के इस रुख को राष्ट्रविरोधी करार दिया और कहा कि भारत माता का अपमान देश का अपमान है। वहीं कांग्रेस ने भी राजभवन में राजनीतिक एजेंडे को थोपने की कोशिश की आलोचना की और कहा कि राज्यपाल को राजनीतिक प्रतीकों से दूरी बनानी चाहिए। लेकिन भारत माता की तस्वीर को केवल एक राजनीतिक प्रतीक मानना ही अपने आप में एक बड़ी भूल है। यह चित्र न किसी पार्टी का है और न किसी संगठन का। यह उस भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है जिसे हर भारतवासी महसूस करता है। पी प्रसाद जैसे मंत्री संविधान की शपथ लेकर सत्ता में आते हैं, लेकिन जब भारत माता का चित्र सामने आता है, तो शपथ में समाहित भावना को भी नजरअंदाज कर देते हैं। यह विडंबना नहीं तो और क्या है? भारत के प्रत्येक नागरिक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह देश के प्रतीकों, ध्वज, राष्ट्रगान, और सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करे। फिर एक मंत्री जब भारत माता की तस्वीर से परहेज करता है, तो यह केवल उनका निजी मत नहीं रह जाता, यह एक राजनीतिक संदेश बन जाता है ऐसा संदेश जो राष्ट्रवाद को टुकड़ों में बांटने की कोशिश करता है।

यह घटना हमें उस खतरे की चेतावनी देती है जो भारत की एकता और अखंडता के लिए भीतर से उठ रहा है। देश को तोड़ने वाली ताकतें केवल सीमाओं से नहीं आतीं, वे उस मानसिकता से आती हैं जो अपने देश की आत्मा को पहचानने से इनकार करती हैं। भारत माता की तस्वीर से चिढ़ना उस चेतना को अस्वीकार करना है जो इस देश को जोड़ती है। यह केवल एक चित्र नहीं, यह एक विचार है, एक आस्था है, एक भावना है जो भारत को भारत बनाती है।

देश को आज ऐसे लोगों की जरूरत है जो भारत माता की जय को राजनीति नहीं, बल्कि श्रद्धा समझें। जिन्हें राष्ट्रगान सुनकर सम्मान की भावना हो, और भारत माता की तस्वीर देखकर आंखों में नमी और माथे पर झुकाव आए। वरना वह दिन दूर नहीं जब भारत केवल संविधान की किताब में सिमट कर रह जाएगा, और भारत माता एक विवादास्पद प्रतीक बनकर रह जाएगी। यह समय है कि देश की आत्मा को फिर से पहचाना जाए, उसे गले लगाया जाए क्योंकि भारत माता का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जा सकता। यही भारत का सच्चा स्वाभिमान है। यही भारत की सच्ची पहचान है। -वरिष्ठ पत्रकार

एक बार फिर से भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

राजेश जैन

फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में चल रहा है। लाखों लोगों की जान जा चुकी है, शहर उजड़ चुके हैं और अब दुनिया की नजरें इस सवाल पर टिकी हैं - आखिर कौन जीत रहा है यह युद्ध? क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के ताकतवर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मात दे रहे हैं या फिर रूस धीरे-धीरे अपनी रणनीति में सफल हो रहा है?

ड्रोन वार ने बदले समीकरण

विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति और उलझ गई है। पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें सिर्फ एक ही बात स्वीकार है-यूक्रेन का सरेंडर। दूसरी ओर, यूक्रेन कुछ शर्तों पर रियायत देने को तैयार है लेकिन रूस अपने कठोर रुख से टस से मस नहीं हो रहा। यूक्रेन, टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर, रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रूस के बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रूस ने सोचा भी नहीं होगा कि यूक्रेन रूस के 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस उड़ा सकता है लेकिन उसने ऐसा किया। अब 5 एयरबेस पर हमले का नुकसान तो बड़ा है और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गुस्सा भी स्वाभविक है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर से भड़कता दिख रहा है और शांति की उम्मीदें लगभग मंद हो गई हैं।

लंबी है युद्ध के हताहतों की सूची

मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस युद्ध में अब तक करीब 14 लाख लोग हताहत हो चुके हैं। यूक्रेन के 75 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रूस की कुर्स्क पर भारी कार्रवाई के बाद यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए सूमी प्रांत पर हमला शुरू कर दिया है। सूमी की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यदि रूस इस पर कब्जा कर लेता है तो वह सीधे कीव की ओर जमीनी हमला कर सकता है। इससे यूक्रेन की राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाएगी। फिलहाल, यूक्रेनी सेना रूस के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी कार्रवाई कर रही है। उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों से तकनीकी और खुफिया जानकारी मिल रही है जिससे उन्हें हमलों की रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन में अब अपने ही ड्रोन बनाने की फैक्ट्री और विशेषज्ञ तैयार हो चुके हैं।

कम नहीं यूक्रेन की चुनौतियां

हालांकि यूक्रेन को आधुनिक तकनीक और समर्थन मिल रहा है लेकिन उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जैसे ड्रोन हमले रूसी सेना को धीमा कर सकते हैं लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकते, - रूस लगातार मिसाइल और बमबारी करता जा रहा है, यूरोप और अमेरिका से हथियारों की सप्लाई बनाए रखना ओर नए हथियारों के लिए सैनिकों को ट्रेनिंग देना भी यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती है।

यह है रूस की रणनीति

रूस की रणनीति अब यह है कि यूक्रेनी सेना की सप्लाई लाइन को काटा जाए, उन्हें घेरा जाए और धीरे-धीरे एक-एक इलाके पर कब्जा किया जाए। इसके लिए रूसी सेना छोटे-छोटे समूहों में काम कर रही है ताकि वे ड्रोन हमलों से बच सकें। यूक्रेन की गैर पारंपरिक रणनीतियां-जैसे लंबी दूरी तक ड्रोन से हमला-रूस के लिए परेशानी बन चुकी हैं, लेकिन रूस अब भी उनके खिलाफ कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाया है। इससे संकेत नहीं मिलते कि रूस हमला धीमा करने वाला है।

क्रीमिया से आगे भी है रूस की मांगें

इस समय रूस ने 5 यूक्रेनी प्रांतों के 19% हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इनमें से 12% इलाके पर वह पहले ही 2014 में कब्जा कर चुका था। पुतिन की चाहत है कि यूक्रेन की 25% जमीन रूस के अधीन आ जाए जिसमें एक बफर ज़ोन भी शामिल हो। आपको बता दें कि रूस क्रीमिया पर 2014 में कब्जा कर चुका है लेकिन उसकी मांग सिर्फ क्रीमिया तक सीमित नहीं है, अब वह उन इलाकों को भी यूक्रेन से चाहता है, जिन पर उसकी सेना ने अभी तक कब्जा नहीं किया है, लेकिन रूस अपना दावा करता है। इसके अलावा, वह चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन की सेना, उसके हथियार और उसकी सीमाएं नियंत्रित कर दी जाएं-कुछ-कुछ वैसा ही जैसा प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के साथ किया गया था।

कोई स्पष्ट विजेता, न शांति की आस

इस समय दोनों पक्षों के पास न तो निर्णायक जीत है और न ही शांति का कोई साफ रास्ता। इस लंबी और थकाऊ लड़ाई के बाद भी यह तय नहीं हो पाया है कि कौन जीत रहा है। रूस की धीमी लेकिन स्थायी बढ़त को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वहीं यूक्रेन भी टेक्नोलॉजी और नाटो समर्थन के दम पर लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। अगर किसी तरह से शांति समझौता हो भी जाता है, तब भी यह जरूरी नहीं कि संघर्ष थम जाएगा। जानकारों का मानना है कि यूक्रेन के भीतर गुरिल्ला युद्ध चलता रहेगा और नाटो देश रूस के लिए लंबे समय तक परेशानी बने रहेंगे। फिलहाल दुनिया को इंतजार है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा?

विदेश की खबरें

ट्रंप पर हमला बोलकर मस्क 'बड़ी गलती' कर रहे: जेडी वेंस

ब्रिजवॉटर : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि एलन मस्क आपसी विवाद के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सोशल मीडिया पर कटु और भड़काऊ पोस्ट लिखकर 'बड़ी गलती' कर रहे हैं। लेकिन दुनिया के सबसे अमीर आदमी और यकीनन दुनिया के सबसे ताकतवर व्यक्ति के बीच सार्वजनिक विवाद के बाद शुक्रवार को जारी एक साक्षात्कार में उपराष्ट्रपति ने मस्क के तीखे हमलों को कमतर करके आंकने की कोशिश की और उन्हें एक 'भावनात्मक व्यक्ति' करार दिया जो निराश हो गया है। वेंस ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि आखिरकार एलन वापस आ जाएंगे। हो सकता है कि यह अभी संभव नहीं हो क्योंकि वह बहुत आक्रोशित हो गए हैं।' वेंस की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हाल के दिनों में रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं ने दोनों लोगों से, जो महीनों पहले एक-दूसरे के करीबी सहयोगी थे और काफी समय साथ बिताते थे, अपने रिश्ते सुधारने का आग्रह किया है। ट्रंप पर हमला बोलने वाले मस्क के सोशल मीडिया पोस्ट की बाढ़ तब आई जब राष्ट्रपति ने उन्हें असंतुष्ट और 'सनकी' के रूप में चित्रित किया और उनके व्यवसायों द्वारा हासिल किये गए सरकारी अनुबंधों में कटौती करने की धमकी दी।

रूस ने अंतरिक्ष स्टेशन से यान प्रक्षेपित करने संबंधी तकनीक का पेटेंट कराया

मॉस्को : रूस ने अंतरिक्ष स्टेशन से स्वचालित यान प्रक्षेपित करने की तकनीक का पेटेंट कराया है। यह स्टेशन दुनिया का ऐसा पहला ड्रोन प्लेटफार्म होगा जिसके रखरखाव के लिए रोबोट का इस्तेमाल होगा। इस तकनीक का परीक्षण रूसी ऑर्बिटल स्टेशन (आरओएस) में करने की योजना है तथा बाद में इसका प्रयोग चंद्रमा के अन्वेषण में किया जायेगा। रूस के पहले उपप्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने यहां एक बैठक में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि 2030 तक रूस को अपने खुद के अंतरिक्ष स्टेशन के लिए मॉड्यूल-दर-मॉड्यूल योजनाबद्ध बदलाव करना सुनिश्चित करना होगा। मंटुरोव ने शुक्रवार को बैठक के दौरान कहा, 'आरओएस 'अपने रखरखाव के लिए रोबोट से लैस दुनिया का पहला ड्रोन प्लेटफॉर्म बन जाएगा। यह रूसी संघ का एक पेटेंट समाधान है।'

जर्मनी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता के साथ खड़ा है: जर्मन विदेश मंत्री

बर्लिन : जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल से कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में यह यूरोपीय देश अपना मजबूत समर्थन दोहराता है और एकजुटता के साथ खड़ा है। वेडफुल ने पाकिस्तान की परमाणु धमकी के आगे न झुकने के नयी दिल्ली के संकल्प को भी रेखांकित किया। यूरोपीय देश के दौरे पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुये आतंकवादी हमले के आलोक में जर्मन राजनीतिक और कूटनीतिक नेतृत्व को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के भारत के रुख से अवगत कराया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार शाम को मंत्री वेडफुल से मुलाकात की।

वर्ग पहेली नं. 3116

1	■	2		3	■	4		5	
	■		■	6	7		■		■
8	9		10	■	11		12		■
■		■	13		■	14		■	15
16				■	17	■	18		
■		■	■	19				■	
20		21	■		■	■	22	23	
	■	24	25			26	■		■
27				■	■	28			

बायें से दायें:- 2) निराश, 4) पश्चात्ताप, 6) शीतल मंद हवा, 8) झपटना, 11) प्रस्थान, 13) चौपट; नाश, 14) हाथी; साँप, 16) अनिवार्य; ज़रूरी, 18) देशस्तरीय, 19) श्रमसाध्य, 20) ध्वजा, 22) औक़ात, 24) ईर्ष्या, 27) असावधानी; विस्मरण; भूल, 28) आजीवन.

ऊपर से नीचे:- 1) पाज़ेब, 2) अनुसार, 3) प्रत्येक; शत प्रतिशत, 4) पतंगा; आज्ञापत्र, 5) ताजापन, 7) अंतरंग मित्र, 9) पराधीनता, 10) एक धर्म-संस्थापक, 12) नगरपालिका का अध्यक्ष, 15) डरपोक-पन, 17) पाजी, 19) पेचीदा; अबोध्य, 20) कनकौवा; गुड्डी, 21) नेत्रांजन, 23) सहायता, 25) बुरी आदत, 26) खाली,

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

बे	ह	त	र	■	फ़ा	■	आ	■	आ
■	■	मि	त	व्य	य	■	व	र	ना
ब	वा	ल	■	स	दा	व	र्त	■	जा
दी	प	■	स	न	■	म	न	वा	ना
■	स	द	मा	■	व	न	■	हि	■
आ	■	■	लो	हि	त	■	द	या	लु
स	च	मु	च	■	न	सी	ह	त	■
पा	■	ह	न	न	■	ता	ल	■	ऐ
स	सु	र	■	र	द्दी	■	ना	या	ब

सुडोकू-पहेली-3073

		7	3			9	1	
			4					
							2	8
	7		1	2	9			
	2							
						6	3	
		8	7	6				
7	9			8				1
	1	5					4	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3072 का उत्तर

9	7	1	6	3	8	2	4	5
6	2	8	5	7	4	9	1	3
5	3	4	1	9	2	7	6	8
8	4	3	9	6	1	5	7	2
7	5	6	8	2	3	1	9	4
2	1	9	4	5	7	3	8	6
1	6	2	7	8	5	4	3	9
3	9	7	2	4	6	8	5	1
4	8	5	3	1	9	6	2	7

पीएम ने बड़े देश के डर से सेना को कार्रवाई से रोका था : फिरहाद हकीम

❑ **भाजपा का पलटवार– पाकिस्तानी नेता की तरह बोल रहे हैं ममता के मंत्री**

❑ **आपरेशन सिंदूर पर तृणमूल विधायक के बाद अब वरिष्ठ मंत्री की टिप्पणी से विवाद**

कोलकाता : आपरेशन सिंदूर पर तृणमूल कांग्रेस के विधायक की विवादित टिप्पणी के बाद अब बंगाल के वरिष्ठ मंत्री व कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने शनिवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़े देश के डर से आपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों को और कार्रवाई से रोका था। उनके इस आरोप के बाद भाजपा ने उन पर पलटवार करते हुए कहा कि वह पाकिस्तानी नेता की तरह बोल रहे हैं।

हकीम द्वारा बकरीद पर पत्रकारों को दिए गए बयान का वीडियो संलग्न करते हुए, भाजपा आइटी सेल के प्रमुख व बंगाल में पार्टी के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मंत्री हकीम पर निशाना साधते हुए उन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर प्रधानमंत्री का अपमान करने का आरोप लगाया।

वीडियो में हकीम पत्रकारों से कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'कापुरुषळ की तरह एक बड़े देश के डर से पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना के हमलों को रोक दिया था। बड़े देश के रूप में उनका इशारा अमेरिका की ओर था। हकीम ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री कैसे दावा कर सकते हैं कि उन्होंने कुछ बड़ा किया है? वह आपरेशन सिंदूर का श्रेय कैसे ले सकते हैं?

आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में पीएम मोदी की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि हम भारत की

सेना को सलाम करते हैं, जिन्होंने अपना जीवन देकर पाकिस्तान को योग्य जवाब दिया और देश के सम्मान की रक्षा की है।

दूसरी ओर, हकीम को जवाब देते हुए मालवीय ने एक्स हैंडल पर लिखा, फिरहाद हकीम जो कह रहे हैं, उसे ध्यान से सुनिए – वही व्यक्ति जिसने कभी कोलकाता के कुछ हिस्सों को मिनी पाकिस्तान कहा था और खुलेआम भारत को इस्लामिक राज्य बनाने का सपना देखा करता था। अब, अपनी नेता ममता बनर्जी के स्पष्ट निर्देशों के तहत, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर घिनौना और अपमानजनक हमला किया है। उन्होंने बेशर्मी से दावा किया कि आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में पीएम मोदी की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने एक कदम आगे बढ़कर प्रधानमंत्री को युद्ध विराम का पालन करने और आपरेशन सिंदूर को आगे न बढ़ाने के लिए कायर करार दिया। मालवीय ने कहा कि सच कहूं तो, यह बयान एक भारतीय नेता की तरह कम और एक पाकिस्तानी राजनेता की तरह अधिक लगती है जो भारत सरकार और उसके नेतृत्व को कमतर आंकने की कोशिश कर रहा है। इस तरह के बयान उन लोगों की मानसिकता को उजागर करते हैं जो पक्षपातपूर्ण नफरत को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखते हैं। भारत के लोग इसे समझ जाएंगे।

तृणमूल विधायक ने आपरेशन सिंदूर को बताया था नाटक

– बताते चलें कि इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक नरेन्द्रनाथ चक्रवर्ती ने गुरुवार को कथित तौर पर यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि आपरेशन सिंदूर भाजपा द्वारा शुरू किए गए युद्धोन्माद के खेल यानी नाटक के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने यह भी कह दिया कि प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं सहित देशभक्त लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। भाजपा ने उनकी टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी और विवाद बढ़ने पर तृणमूल ने भी उनके बयान से किनारा कर लिया था।

कैनिंग स्टेशन के पास से हथियार डीलर गिरफ्तार

कोलकाता : दक्षिण 24 परगना के कैनिंग थाने की पुलिस ने शुक्रवार रात कैनिंग रेलवे स्टेशन के पास से एक शातिर हथियार डीलर को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार शख्स का नाम बापी अधिकारी है। वह लुटेरों (डकैतों) को हथियारों की सप्लाई करता था। उसकी गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने सुंदरवन इलाके में डकैती की योजना को भी विफल कर दिया। पता चला है कि कुछ दिन पहले सुंदरवन तटीय थाना इलाके में लुटेरों के एक समूह ने डकैती की योजना बनाई थी। बापी उन्हें हथियार सप्लाई करने का काम करता था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि डकैती की योजना में शामिल दो लोग पियाली इलाके से हथियार लेकर जाने वाले थे। लेकिन पुलिस की सक्रियता की वजह से उनमें से एक को समय से पहले ही पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए शख्स से पूछताछ के बाद जांचकर्ताओं को बापी के बारे में पता चला। आरोपित को शनिवार को अलीपुर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। कैनिंग थाने के एक अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि गिरफ्तार व्यक्ति का इलाके के कुछ अन्य अपराधियों से भी संबंध हो सकता है। पुलिस उसके मोबाइल फोन की जांच कर रही है। उसके कारोबार की भी जांच की जा रही है। दूसरी ओर, उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सुरक्षा कारणों से कैनिंग रेलवे स्टेशन व आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि इलाके में कोई बड़ा आपराधिक गिरोह है, जिससे बापी का सीधा संबंध है। उसके बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

बड़ाबाजार के स्वर्ण व्यवसायी को माओवादियों के नाम पर धमकी भरा पत्र भेजकर 50 लाख रुपये की मांगी रंगदारी

स्वर्ण व्यवसायी ने बड़ाबाजार थाने में दर्ज कराई शिकायत, पुलिस ने शुरू की जांच

कोलकाता : बड़ाबाजार के एक स्वर्ण व्यवसायी को माओवादियों के नाम पर धमकी भरा पत्र भेजकर कथित तौर पर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगे जाने का मामला सामने आया है। स्वर्ण व्यवसायी ने बड़ाबाजार थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या वास्तव में यह पत्र किसी माओवादी नेता ने भेजा है या फिर फर्जी है।

शिकायतकर्ता व्यवसायी का कार्यालय बड़ाबाजार के ओल्ड चाइना बाजार स्ट्रीट स्थित राम रहीम मार्केट की चौथी मंजिल पर स्थित है। आरोप है कि समीर मंडल नामक

व्यक्ति ने उन्हें पत्र भेजा है। पत्र में दावा किया गया है कि माओवादी फंड की ताकत बढ़ाने के लिए उन्हें काफी पैसों की जरूरत है। इसलिए व्यवसायी को 50 लाख रुपये देने होंगे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बंगाली में टाइप किए गए पत्र में गुपीकांत बागची लिखने के बाद सरनेम बागची काट दिया गया था। इसे बनर्जी लिख दिया गया था। पत्र में व्यक्ति का पता उत्तर 24 परगना के देगंगा थाना क्षेत्र के हादीपुर कालोनी बताया गया है। पत्र में यह भी लिखा है कि अगर 50 लाख रुपये नहीं दिए तो व्यवस्था कर दी जाएगी। फिर पत्र में व्यवसायी को धमकाते हुए कहा गया है कि अगर वह पुलिस के पास भी गया तो उसे कोई राहत नहीं मिलेगी, क्योंकि बंगाल पुलिस उनका (माओवादियों) कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। क्योंकि, उनमें हिम्मत नहीं है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे कथित तौर पर उत्तर 24 परगना के बारासात से भेजे गए पत्र और पते के आधार पर माओवादी के ठिकाने का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

तृणमूल में संगठनात्मक बदलाव की आहट: ब्लॉक से पहले फ्रंटल संगठनों में हो सकता है बड़ा फेरबदल

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के संगठन में एक बार फिर बदलाव की सुगबुगाहट तेज़ हो गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बार ब्लॉक स्तर से पहले फ्रंटल ऑर्गनाइजेशनों–जैसे तृणमूल छात्र परिषद, युवा, श्रमिक, अल्पसंख्यक मामलों से जुड़े संगठनों–में नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है।

गौरतलब है कि मई महीने के मध्य में तृणमूल ने जिला स्तर पर कुछ बदलाव किए थे। तब पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि जल्द ही ब्लॉक और टाउन स्तर पर भी नई कमेटियों की घोषणा होगी। लेकिन विश्वस्त सूत्रों की मानें तो ब्लॉक स्तर की अंतिम सूची अब तक तैयार नहीं हुई है।

इसी बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्सी के बीच हुई बैठक में तय हुआ कि ब्लॉक नेतृत्व के लिए आए सभी प्रस्ताव आई-पैक के प्रतीक जैन और मंत्री अरूप विश्वास को सौंपे जाएंगे। इसके आधार पर ममता बनर्जी खुद अंतिम सूची तैयार करेंगी। इसी कारण फ्रंटल संगठनों में पहले ही फेरबदल की संभावना प्रबल हो गई है।

❑ **युवा और छात्र संगठन में कौन ले सकता है कमान?**

पार्टी के अंदर कयासों का दौर जारी है कि तृणमूल के युवा संगठन का नेतृत्व जय दत्ता या देबराज चक्रवर्ती को सौंपा जा सकता है। वहीं, कुछ नेताओं का मानना है कि यह जिम्मेदारी जय या तृणांकुर भट्टाचार्य में से किसी एक को मिलेगी। हालांकि, अंतिम निर्णय ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के मन में क्या है, यह किसी को स्पष्ट नहीं।

पार्टी के करीबी सूत्रों के अनुसार, सायनी घोष को युवा संगठन के अध्यक्ष पद से हटाया जाना तय माना जा रहा है। सायनी पिछले कुछ समय से पार्टी कार्यालय में सक्रिय नहीं हैं। खबर है कि उनके कमरे में ढेर सारे पत्र जमा हो गए हैं, जिन्हें अब उनके घर भेजने पर विचार किया जा रहा है। जब एक नेता ने इस बारे में सायनी से संपर्क किया तो उन्होंने कहा, नई जो आएगी, वही देख लेगी।

तृणमूल छात्र परिषद की कार्यशैली को लेकर भी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में असंतोष है, खासकर आर.जी. कर कांड के बाद। सांसद कल्याण बनर्जी ने इस मुद्दे पर विशेष रूप से मुखरता दिखाई थी।

❑ **महिला और श्रमिक संगठनों में भी बदलाव की संभावना**

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि 2026 के चुनाव से पहले फ्रंटल संगठनों में बदलाव निश्चित है। हालांकि, महिला संगठन की अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य को पद पर बनाए रखने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन श्रमिक संगठन में सांसद ऋतब्रत बनर्जी की जगह किसी और को दिए जाने पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

अब सबकी नजर तृणमूल की अंतिम सूची पर टिकी है–जिससे यह तय होगा कि 2026 के रण में कौन होंगे पार्टी के नए सेनापति।

बंगाल के पूर्व बर्द्धमान में बैग से नौ देशी बम बरामद

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्द्धमान जिले में एक लावारिस बैग से नौ देशी बम बरामद किए गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले स्थानीय निवासियों ने सुबह एक खेत में लावारिस बैग देखा और जमालपुर पुलिस थाने को इस बारे में सूचित किया। अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया जिसने दामोदर नदी के किनारे सभी बम को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने बताया कि इस बात की जांच शुरू कर दी गई है कि बम उस स्थान पर कैसे पहुंचे और उन्हें वहां किसने रखा होगा। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि विस्फोटकों को सुनसान इलाके में बैग में रखकर छोड़ने के पीछे क्या मकसद था।

मुख्यमंत्री पर अपमानजनक टिप्पणियों के मामले में बीजेपी नेता कौस्तभ को तलब किया गया

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता कोर्ट ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर बीजेपी नेता एवं अधिवक्ता कौस्तभ बागची को तलब किया है। आरोप है कि कौस्तभ ने सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में मुख्यमंत्री के खिलाफ अनुचित भाषा का प्रयोग किया है, जिसके आधार पर उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के तहत अभियुक्त किया गया है। न्यायालय के न्यायाधीश सुकुमार राय कौस्तभ को 18 जून को पेश होने का आदेश दे चुके हैं। इससे पहले टालीगंज थाना में भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें कहा गया कि उन्होंने पूर्व तृणमूल विधायक दीपक घोष की पुस्तक का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री पर अनियंत्रित हमला किया।

यह विवाद दीपक घोष द्वारा लिखित एक पुस्तक को लेकर शुरू हुआ है, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निजी जीवन से जुड़ी कई बातें विकृत और अपमानजनक रूप में प्रस्तुत की गई हैं। इस पुस्तक की जानकारी सबसे पहले बीजेपी के युवा नेता कौस्तभ बागची ने उजागर की थी और बाद में सोशल मीडिया पर भी उन्होंने आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसके बाद कई अन्य बीजेपी नेताओं ने भी इसी तरह की टिप्पणियां कीं। इस पुस्तक में ममता बनर्जी के साथ-साथ बारासात की तृणमूल सांसद डॉ. काकली घोष दस्तिदार और उनके चिकित्सक पति के बारे में भी भ्रामक जानकारी देने का आरोप सांसद पुत्र वैद्यनाथ घोष दस्तिदार ने लगाया है, जो स्वयं न्यायालय में इस मामले को लेकर पहुंच चुके हैं।

तृणमूल ने चिनाब पुल का श्रेय पूर्ववर्ती सरकारों को नहीं देने पर प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की

नयी दिल्ली : तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने कश्मीर घाटी को पूरे देश से रेलवे के माध्यम से जोड़ने में अहम चिनाब पुल के निर्माण में पूर्ववर्ती सरकारों को कथित तौर पर श्रेय नहीं देने के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की।

तृणमूल नेताओं ने इसी के साथ चिनाब पुल के निर्माण में पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के रेल मंत्री रहने के दौरान किये गए कार्यों का उल्लेख किया।

तृणमूल नेता डेरेक ओ ब्रायन और सागरिका घोष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह को भी इस रेल पुल का श्रेय दिया जाना चाहिए।

घोष ने कहा, 'नरेन्द्र मोदी ने चिनाब रेल पुल के उद्घाटन के अवसर पर तिरंगा लहराया, लेकिन अपने पूर्ववर्ती जनसेवकों – प्रधानमंत्री वाजपेयी और मनमोहन सिंह तथा सबसे महत्वपूर्ण रेल मंत्री ममता बनर्जी, जिन्होंने वास्तव में इस परियोजना को मंजूरी दी और इसकी आधारशिला रखी, के लिए एक शब्द भी नहीं कहा; यह पूरी तरह मोदी की शैली है – आत्ममुग्ध, आत्मप्रचार में लिप्त, वास्तविकता से कटा हुआ और गैर-गंभीर रवैया।'

उन्होंने कहा, 'इस तरह का ईर्ष्यापूर्ण श्रेय लेना भारत में अभूतपूर्व है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।'

घोष ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'वाजपेयी ने इसे 'राष्ट्रीय महत्व की परियोजना' घोषित किया था और तत्कालीन रेल मंत्री के रूप में ममता बनर्जी ने ही इस परियोजना को मंजूरी दी थी और मनमोहन सिंह सरकार में रेल मंत्री के रूप में वह ही दो औद्योगिक परियोजनाओं – जम्मू-कश्मीर में एक पुल कारखाना और जम्मू में सुरंग एवं पुल इंजीनियरिंग संस्थान – स्थापित करके इस परियोजना को पटरी पर लेकर आयीं। भारत की प्रगति का मार्ग 2014 में शुरू नहीं हुआ।'

उन्होंने कहा, 'वह रेल मंत्री ममता बनर्जी ही हैं जिन्होंने सबसे पहले चिनाब रेल पुल के लिए मंजूरी दी, फिर तेजी से काम किया और सहायक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया।'

राज्यसभा में तृणमूल के नेता ओ ब्रायन ने 'एक्स' पर अनंतनाग और काजीगुंड के बीच रेल लाइन के उद्घाटन की एक तस्वीर साझा की, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और ममता बनर्जी दिखाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कश्मीर घाटी के लिए पहली रेल सेवा को हरी झंडी दिखाई और कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें चिनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल और भारत का पहला केबल आधारित अंजी खड्ड रेल पुल शामिल है।

तृणमूल ने 21 जुलाई की तैयारी बैठक के लिए जिला अध्यक्षों व चेयरमैन को भेजा पत्र

❑ **शहीद दिवस की तैयारियों में तेजी**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस आगामी 21 जुलाई के शहीद दिवस के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अगले सप्ताह भवानीपुर के पार्टी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करने जा रही है।

पार्टी के सभी जिला अध्यक्षों और चेयरमैन को इस बैठक में शामिल होने के लिए पत्र भेजे जा चुके हैं। इसके अलावा, कोलकाता उत्तर और बीरभूम के कोर कमिटी के सदस्यों को भी बैठक में बुलाया गया है। हर साल 21 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस शहीद दिवस मनाती है, जिसमें 1993 के आंदोलन में शहीद हुए 13 कार्यकर्ताओं को याद किया जाता है। यह आयोजन मुख्यतः छात्र और युवा संगठनों द्वारा किया जाता है, जिनकी तैयारियों में इस बार तेजी देखी जा रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में छात्र एवं युवा संगठन इस दिन की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

राज्य में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिससे पहले 21 जुलाई के कार्यक्रम से चुनावी प्रचार की शुरुआत होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी की युवा शाखा को सक्रिय करते हुए आगामी चुनावी रणनीति तय करने पर भी फोकस है। इसी कड़ी में 14 जून को भवानीपुर कार्यालय में जिला अध्यक्ष और चेयरमैन की बैठक रखी गई है। पार्टी के राज्य अध्यक्ष सुब्रत बक्शी, प्रमुख प्रवक्ता जयप्रकाश मजूमदार और कई वरिष्ठ नेता शनिवार को पुराने तृणमूल भवन के पास एक पूर्व तैयारी बैठक में शामिल हुए।

सुब्रत बक्सि के निर्देशानुसार, जयप्रकाश मजूमदार ने सभी जिला अध्यक्षों और चेयरमैन को आगामी बैठक में भाग लेने हेतु पत्र भेजे हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ इस कार्यक्रम पर भी खास नजर रखे हुए हैं, क्योंकि यह तृणमूल कांग्रेस की चुनावी तैयारी का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

विस चुनाव से पहले ब्रिगेड मैदान में फिर होगा गीतापाठ, इस बार पांच लाख लोगों को जुटाने की योजना

❑ **सात दिसंबर को होगा गीता पाठ का आयोजन**

❑ **कार्तिक महाराज बोले– इस आयोजन का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं**

कोलकाता : बंगाल में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में एक बार फिर गीता पाठ का आयोजन होगा। इस बार सात दिसंबर को गीता पाठ का आयोजन होगा। इससे पहले पिछले साल लोकसभा चुनाव से पूर्व 24 दिसंबर, 2023 को पहली बार ब्रिगेड में इसका आयोजन हुआ था। पिछली बार इसे लखो कंठो गीता पाठ नाम दिया गया था, यानी एक साथ करीब

एक लाख लोगों ने साथ बैठकर ब्रिगेड मैदान में गीता पाठ किया गया था। इस बार ब्रिगेड में पांच लाख लोगों की भीड़ जुटाकर एक साथ गीता पाठ करने की योजना है। इसका आयोजन सनातन संस्कृति मंच और कई अन्य सहयोगी हिंदू संगठनों द्वारा किया जाएगा। मुर्शिदाबाद जिले में स्थित भारत सेवाश्रम संघ के बेलडांगा इकाई के प्रमुख कार्तिक महाराज ने इसकी घोषणा की है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इसके आयोजन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। क्योंकि पिछली बार लोकसभा चुनाव से पहले और अब विधानसभा चुनाव से पहले इसका आयोजन होने जा रहा है। 2024 में गीतापाठ का आयोजन नहीं किया गया था।

हालांकि कार्तिक महाराज का कहना है कि इस कार्यक्रम का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि बागेश्वर धाम के धीरेंद्रनाथ शास्त्री और साध्वी ऋतंभरा जैसे प्रमुख आध्यात्मिक नेता भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मालूम हो कि भारत सेवाश्रम संघ के कार्तिक महाराज हाल ही में पद्म पुरस्कार प्राप्त करने के लिए दिल्ली गए थे। वहां उन्होंने कई धार्मिक नेताओं से मुलाकात की। जहां गीता पाठ के फिर से आयोजन पर चर्चा हुई। वहां से लौटने के बाद महाराज ने गीतापाठ की घोषणा की।

कार्तिक महाराज ने आगे कहा– अब गीता का पाठ गांव-गांव, जिलों में हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप लोगों के जीवन में कई बदलाव आ रहे हैं। यही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। गीता एक धार्मिक ग्रंथ है जिसका उपयोग हजारों सालों से मानव जाति के कल्याण के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि कई अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी गीता पढ़ते हैं। गीता का अनुवाद दुनिया की सभी भाषाओं में हो चुका है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भाजपा को लाभ पहुंचाने के मकसद से गीता पाठ के आयोजन की बात करना हास्यास्पद है।

❑ **तृणमूल के निशाने पर रहे हैं कार्तिक महाराज**

मालूम हो कि गीता पाठ आयोजन के अगुवा कार्तिक महाराज सत्तारूढ़ तृणमूल के निशाने पर रहे हैं। तृणमूल आरोप लगाती रही है कि कार्तिक महाराज भाजपा के लिए काम करते हैं। पिछले साल कार्तिक महाराज तब चर्चा में आए थे जब मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने उनपर मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा में शामिल होने का आरोप लगाया था।

बेटा जापान खेलने जाएगा, पिता के हस्ताक्षर के बिना पासपोर्ट नहीं मिल रहा, मां पहुंची हाई कोर्ट

बेटे के साथ पति से अलग रह रही मां ने कलकत्ता हाई कोर्ट का खटखटाया है दरवाजा

कोलकाता : स्कूल में पढ़ रहा बेटा कराटे कई प्रतियोगिताएं जीती हैं। इस बार उसे जापान में कराटे प्रतियोगिता में भाग लेना है, लेकिन पासपोर्ट नहीं मिल रहा है। पासपोर्ट के बिना विदेश जाना संभव नहीं है। कई बार आवेदन करने के बावजूद मां को बेटे का पासपोर्ट नहीं मिल रहा है। पासपोर्ट अथारिटी के मुताबिक, पिता के हस्ताक्षर और मौजूदगी के बिना नाबालिग बच्चे को पासपोर्ट नहीं दिया जा सकता। ऐसे में कोई दूसरा रास्ता न देख पति से अलग बेटे को लेकर रह रही मां ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उसकी दलील है कि कोर्ट उसके बेटे को खेलने के लिए

जापान जाने की इजाजत दे। उसे पासपोर्ट दिया जाए। जस्टिस राजा बसुचौधरी ने केस दायर करने की अनुमति दे दी है और मामले पर सुनवाई सोमवार को होने की संभावना है।

बैरकपुर के रहने वाले इस इस महिला की शादी 2011 में हुई थी। 2015 में उनका एक बेटा हुआ। वैवाहिक कलह के कारण वे 2019 में पति से अलग हो गई। बाद में तलाक का केस दायर कर दिया। हाल ही में स्कूल ने उनके नाबालिग बच्चे को कराटे खेलने के लिए जापान भेजने का फैसला किया है। स्कूल ने मां से उसके बेटे का पासपोर्ट मांगा। 21 फरवरी को मां ने अपने बेटे को प्रतियोगिता में भेजने के लिए पासपोर्ट के लिए आवेदन किया। मां का दावा है कि संबंधित पासपोर्ट प्राधिकरण ने आवेदन को कोई महत्व नहीं दिया। पासपोर्ट के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने कहा कि पिता की अनुपस्थिति में मां के आवेदन को स्वीकार करना संभव नहीं है। अब हार कर मां ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

❑ **पासपोर्ट विभाग आवेदन नहीं कर रहा है स्वीकार**

पति से अलग रह रही मां ने कहा कि क्या एक 'सिंगल मदर' बच्चे की जिम्मेदारी नहीं ले सकती? क्या पिता की अनुपस्थिति में बच्चा अपने अधिकारों से वंचित हो जाएगा? उसका दावा है कि उसने पिछले साल भी अपने बच्चे के लिए पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। उस समय उसे नौकरी के लिए कनाडा जाना था। उसका बेटा भी उसके साथ जाना था, लेकिन पासपोर्ट नहीं मिला। उनके अनुसार, पति ने कुछ साल पहले बच्चे के अधिकार की मांग करते हुए केस दायर किया था। कोर्ट ने बच्चे को उसके पति से मिलने का आदेश भी दिया था। हालांकि, पिता ने खुद बेटे से कोई संपर्क नहीं रखा है। उसने कहा कि उसे नहीं पता कि उसका पति कहां है। बच्चे के पिता का पता नहीं चल रहा है। वादी के वकील सब्यसाची चटर्जी ने कहा कि पति और पत्नी के बीच कोई संपर्क नहीं है। पति को नहीं पता कि पत्नी कहां है। इस स्थिति में बच्चे को क्यों वंचित किया जाना चाहिए? उसके पास खेलने के लिए विदेश जाने का अवसर है। इसीलिए मामले पर सुनवाई के दिन मैं बच्चे के भविष्य को देखते हुए उसे पासपोर्ट दिलाने का आदेश दे इसके लिए अदालत से अपील करूंगा।

भर्ती घोटाले में सीबीआइ को हाथ लगा अहम आडियो-विजुअल सबूत

❑ सीबीआइ ने कोर्ट से आरोपपत्र में नामित पांच आरोपितों की आवाज के नमूने एकत्र करने की मांगी अनुमति।

कोलकाता : शिक्षा विभाग के भर्ती घोटाले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सीबीआइ को एक ताजा आडियो-विजुअल सबूत हाथ लगा है। यह सबूत कथित साजिश की गहरी परतों को उजागर कर सकता है। हालांकि सीबीआइ इन रिकार्डिंग की सटीक सामग्री के बारे में चुप्पी साधे हुए है, लेकिन जांच से परिचित सूत्रों ने कहा कि सामग्री में बातचीत शामिल है, जो इस बात पर प्रकाश डालती है

कि कैसे घोटाले को अंजाम दिया गया और राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व महासचिव पार्थ चटर्जी ने व्यक्तिगत रूप से इसकी देखरेख की।

सूत्रों के अनुसार, आडियो-विजुअल सामग्री में विस्तार से बताया गया है कि भर्ती धोखाधड़ी के विभिन्न चरणों की योजना कैसे बनाई गई और उसे कैसे अंजाम दिया गया, जिसमें स्कूल सेवा आयोग(एसएससी) के वरिष्ठ अधिकारी और एनवाईएसए के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो भर्ती परीक्षाओं के लिए आप्टिकल मार्क रिकाग्निशन (ओएमआर) शीट का प्रबंधन और संरक्षण करने के लिए अनुबंधित निजी फर्म है।

इस नए सबूत के मद्देनजर, सीबीआइ ने कोलकाता की एक विशेष अदालत से आरोपपत्र में नामित पांच आरोपितों की आवाज के नमूने एकत्र करने की अनुमति मांगी है। इन नमूनों का उपयोग यह सत्यापित करने के लिए किया जाएगा कि रिकार्डिंग में सुनी गई आवाजें संदिग्धों से मेल खाती हैं या नहीं। मामले पर सुनवाई 12 जून को होनी है, जब अदालत तय करेगी कि एजेंसी को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए या नहीं। पांच व्यक्तियों में से तीन पहले एसएससी से जुड़े थे, जबकि शेष दो एनवाईएसए के साथ काम करते थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि नई सामग्री न केवल पार्थ चटर्जी के खिलाफ मामले को मजबूत करती है – जिसे पहले से ही सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ने घोटाले के मुख्य सूत्रधार बताता आ रहा है। पार्थ एसएससी और नौकरी बेचने वालों के साठगांठ का प्रमुख छोड़ हैं। 30 अप्रैल को, बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने ईडी के मामले के संबंध में पार्थ चटर्जी और तृणमूल विधायक व बंगाल बोर्ड आफ प्राइमरी एजुकेशन के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य दोनों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दे दी थी। इस समय भट्टाचार्य जमानत पर बाहर हैं। वहीं चटर्जी सलाखों के पीछे हैं क्योंकि जांच राज्य की शिक्षा भर्ती प्रणाली को हिला देने वाले कथित घोटाले की व्यापकता को उजागर करने के लिए जारी है।

नवान्न के पास टोटो के धक्के से महिला सिविक वालंटियर की मौत

❑ **दोपहर में ड्यूटी पूरी करने के बाद घर के लिए रवाना हुई थी महिला, तभी हुआ हादसा**

कोलकाता : हावड़ा के शिवपुर इलाके में स्थित राज्य सचिवालय नवान्न के समीप शनिवार दोपहर में एक लापरवाह टोटो के धक्के से कोलकाता पुलिस की एक महिला सिविक वालंटियर की मौत हो गई। महिला नवान्न में ही कार्यरत थी और दोपहर में ड्यूटी पूरी करने के बाद घर के लिए रवाना हुई थी, तभी यह हादसा हुआ। इस हादसे के बाद नवान्न के पास काफी हंगामा मच गया। मृतका का नाम नूपुर चटर्जी (52) है। वह हावड़ा के डोमजूर की रहने वाली थी। बताया जा रहा है कि वह नवान्न के सामने ही ड्यूटी पर थीं। ड्यूटी खत्म होने के बाद वह नवान्न से सटे मंदिरतल्ला के पास पुल के नीचे से घर लौटने के लिए गाड़ी पकडऩे जा रही थीं। तभी यह हादसा हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एक लापरवाह टोटो पुल के नीचे से गुजर रहा था। टोटो अचानक बाएं से दाएं मुड़ गया और नियंत्रण खो बैठा और महिला सिविक वालंटियर को टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिर गईं और टोटो उनके ऊपर गिर गया। उन्हें लहूलुहान अवस्था में वहां से निकाला गया और पास के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डाक्टरों के अनुसार, टोटो के धक्के की वजह से सिविक वालंटियर के सिर में गंभीर चोटें आईं थीं। जिसके चलते उन्हें बचाया नहीं जा सका। वहीं, पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

इधर, राज्य सचिवालय के पास हुई इस सड़क दुर्घटना में सिविक वालंटियर की मौत ने सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शहर के विभिन्न हिस्सों में अक्सर लापरवाही से टोटो चल रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस अनियंत्रित टोटो चालकों पर लगाम के लिए कोई कदम नहीं उठा रही।

बंगाल के पूर्व बर्द्धमान में बैग से नौ देशी बम बरामद

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्द्धमान जिले में एक लावारिस बैग से नौ देशी बम बरामद किए गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले स्थानीय निवासियों ने सुबह एक खेत में लावारिस बैग देखा और जमालपुर पुलिस थाने को इस बारे में सूचित किया। अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया जिसने दामोदर नदी के किनारे सभी बम को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने बताया कि इस बात की जांच शुरू कर दी गई है कि बम उस स्थान पर कैसे पहुंचे और उन्हें वहां किसने रखा होगा। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि विस्फोटकों को सुनसान इलाके में बैग में रखकर छोड़ने के पीछे क्या मकसद था।

बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जल्द मिल जाएगी 356 एकड़ जमीन

बांग्लादेश की सीमा पर जमीन नहीं मिलने की वजह से अटका था बाड़ लगाने का कार्य

कोलकाता : बांग्लादेश की सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन को लेकर लंबे समय से चल रहा गतिरोध थमता दिख रहा। क्योंकि ममता सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन देने की अनुमति दे दी है। राज्य सचिवालय नवान्न ने 356 एकड़ जमीन बीएसएफ को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया है। सूत्रों के मुताबिक सभी जिला अधिकारियों को निर्देश पहले ही भेजे जा चुके हैं। राज्य कैबिनेट से भी बीसएसएफ को जमीन देने पर मुहर पहले ही लग चुकी है। सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार ने अब तक सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए 680 एकड़ जमीन खरीदने के लिए पैसे दिए हैं। इसमें से बीएसएफ को 324 एकड़ जमीन मिल गई है। हालांकि, बाकी 365 एकड़ जमीन को लेकर जटिलताएं पैदा हो गई थी। केंद्र-राज्य इस मुद्दे पर विवाद भी हो रहा था। अभी एक जून को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोलकाता में कहा था कि ममता सरकार सीमा पर जमीन उपलब्ध नहीं करा रही है, ताकि घुसपैठ जारी रह सके। इसके बाद अब खबर आई है कि नवान्न ने आखिरकार जमीन बीएसएफ को सौंपने का फैसला किया है।

बताते चलें कि राज्य प्रशसान अधिकारियों ने पिछले रविवार को केंद्रीय गृह सचिव से मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि इसके बाद ही गतिरोध सुलझा है। सूत्रों के अनुसार मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना, कूचबिहार जैसे सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों को जमीन हस्तांतरण को लेकर स्पष्ट निर्देश पहले ही भेजे जा चुके हैं। उनसे कहा गया है कि बीएसएफ को जितनी जमीन की जरूरत है, उसे जल्द से जल्द जमीन मालिकों से खरीद लिया जाए। इसके बाद ही उसे सीमा सुरक्षा बल को सौंपा जाएगा। वैसे, बांग्लादेश में हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद से सीमा पर घुसपैठ की घटना काफी बढ़ी है। इसे लेकर राज्य से लेकर केंद्र तक चिंता जताई गई है। सबसे ज्यादा चिंता बिना कंटीले तारों वाले असुरक्षित इलाकों को लेकर है। अगर अभी जमीन मिल जाती है, तो बीएसएफ वहां जल्द ही बाड़ लगाने का कार्य पूरा करा कर चौकी स्थापित हो सकेगी।

कोलकाता मेडिकल कॉलेज ने 53 महीने में 53 एड्रेनल ग्रंथि ऑपरेशन कर रिकॉर्ड बनाया

❑ **युद्धकालीन तत्परता से ऑपरेशन, 'वेटिंग' का दौर हुआ खत्म**

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेडिकल कॉलेज की यूनिट फाइव ने 'डू इट नाउ' की शैली में 53 महीने में 53 एड्रेनल ग्रंथि के ऑपरेशन कर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। देश में प्रति एक करोड़ जनसंख्या पर केवल 5 से 20 लोग एड्रेनल ग्रंथि के ट्यूमर से प्रभावित होते हैं, इसलिए यह ऑपरेशन अत्यंत दुर्लभ माने जाते हैं। 53 महीने पहले जब डॉ. धृतिमान मित्रा ने कोलकाता मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग की यूनिट फाइव की जिम्मेदारी संभाली थी, तब से उन्होंने ब्रेस्ट और एंडोक्राइन विभाग के मरीजों का इलाज करते हुए इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल किया है। हाल ही में उन्होंने 50वें

मरीज के शरीर से 53वीं एड्रेनल ग्रंथि का सफल ऑपरेशन किया।

डॉ. मित्रा के अनुसार, एड्रेनल ग्रंथि के ट्यूमर सामान्यतः छोटे आकार के होते हैं, लेकिन नोकिलदान के आकार का ट्यूमर बेहद घातक हो सकता है। यह ग्रंथि शरीर के तनाव नियंत्रण, रक्त में सोडियम-पोटैशियम के स्तर को बनाए रखने और रक्तचाप को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। एक 42 वर्षीय महिला मरीज की स्थिति गंभीर थी, जिसका रक्तचाप असामान्य था और शरीर में पोटैशियम का स्तर खतरनाक रूप से कम हो गया था, जिससे महिला आंशिक पक्षाघातग्रस्त हो गई। पेट के अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन में बाएं एड्रेनल ग्रंथि में एक छोटा ट्यूमर पाया गया, जो अल्डोस्टेरोन हार्मोन की अत्यधिक मात्रा छोड़ रहा था। इस हार्मोन के अधिक स्राव से महिला का रक्तचाप बढ़ा था। अंततः इस महिला का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर एड्रेनल ग्रंथि को हटा दिया गया। इस प्रकार, कोलकाता मेडिकल कॉलेज की यूनिट फाइव ने अब तक 50 मरीजों से 53 एड्रेनल ग्रंथियां हटाई हैं। डॉ. मित्रा के अनुसार, फियोक्रोमोसाइटोमा, मायलोलिपोमा, एड्रेनो कोर्टेक्सल कैंसर जैसी कई गंभीर स्थितियों के कारण एड्रेनल ग्रंथि को हटाना आवश्यक हो जाता है।

यह सफलता न केवल रोगियों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि एड्रेनल ग्रंथि के दुर्लभ ट्यूमर के उपचार में भी नई उम्मीद जगाई है।

छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े स्थलों के दर्शन कराएगी विशेष गाड़ी

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट के तहत भारत गौरव ट्रेन टूर शुरू किया है, जिसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और इसकी 100 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। यह विशेष ट्रेन 9 जून को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से रवाना होगी। इस यात्रा में कुल 710 यात्री भाग लेंगे, जिनमें से 480 यात्री इकोनॉमी (स्लीपर), 190 यात्री कम्फर्ट (3एसी) और 40 यात्री सुपीरियर (2एसी) श्रेणी में हैं। यह खास टूर छत्रपति शिवाजी महाराज के 351वें राज्याभिषेक समारोह के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

❑ **यात्रा के प्रमुख स्थल और कार्यक्रम**

यह ट्रेन महाराष्ट्र के उन ऐतिहासिक स्थलों से होकर गुजरेगी जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके गौरवशाली इतिहास से जुड़े हैं। प्रमुख स्थलों में रायगढ़ किला, शिवनेरी किला, प्रतापगढ़ किला, पन्हाला किला, लाल महल, कस्बा गणपति मंदिर और शिवसृष्टि थीम पार्क शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और कोल्हापुर में महालक्ष्मी मंदिर भी इस यात्रा का हिस्सा हैं। यात्रा छह दिनों की है, जो मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से शुरू होकर माणगांव स्टेशन, रायगढ़ किले की यात्रा से आगे बढ़ेगी। रायगढ़ वह जगह है जहां महाराज का राज्याभिषेक हुआ था। इसके बाद पुणे पहुंचकर यात्री लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का दर्शन करेंगे। तीसरे दिन शिवनेरी का भ्रमण होगा, जो महाराज की जन्मभूमि है और मराठा गौरव का प्रतीक है। इसके बाद भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग का दर्शन किया जाएगा। चौथे दिन प्रतापगढ़ किले की यात्रा होगी, जहां 1659 में छत्रपति शिवाजी महाराज और अफजल खान के बीच ऐतिहासिक युद्ध हुआ था, जिसने मराठा साम्राज्य की नींव रखी। अंतिम दिन कोल्हापुर के महालक्ष्मी मंदिर और पन्हाला किले का भ्रमण होगा। पन्हाला किला छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा एक महत्वपूर्ण किला है, जहाँ उन्होंने कई वर्षों तक रहकर कई लड़ाइयां लड़ीं। पन्हाला किले को 'सांपों का किला' भी कहा जाता है, क्योंकि इसकी आकृति जटिल और टेढ़ी-मेढ़ी है। यह यात्रा आरामदायक होटलों में रात का ठहराव, सभी भोजन (शाकाहारी), बसों में स्थानांतरण, यात्रा बीमा और टूर गाइड की सुविधाओं के साथ होती है।

खड़दह मामले के आरोपी आरियान खान को पकड़ने पहुंची पुलिस खाली हाथ लौटी

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा में खड़दह मामले के संदिग्ध आरियान खान को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। शनिवार को पुलिस की बड़ी टीम ने कार्रवाई की, लेकिन वे खाली हाथ लौट गए। खड़दह थाना की पुलिस, डोमजूर थाना की टीम और रैफ के जवानों ने बांकरा बाजार इलाके में आरियान के घर पर छापा मारा, लेकिन वहां उसका घर बंद मिला और कोई भी मौजूद नहीं था। पुलिस ने आसपास के फ्लैटों और मकानों में भी तलाशी ली, लेकिन आरियान का कोई सुराग नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आरियान को इलाके में देखा नहीं गया है। वहीं, लड़की को उसके घर में बंद रखा गया था या नहीं, इस मामले में पड़ोसी किसी भी तरह की जानकारी देने से बच रहे हैं।

मुर्शिदाबाद में राज्य सशस्त्र पुलिस बल की एक बटालियन होगी तैनाती

❑ **हिंसा होने पर अन्य जिलों से भेजने होते थे सशस्त्र बल,बैरकपुर से 8वीं बटालियन को स्थानांतरित करने का निर्णय**

कोलकाता : पिछले कुछ सालों में मुर्शिदाबाद और मालदा जिले के कई इलाकों में बार-बार हिंसा हुई है। हालात को संभालने के लिए बैरकपुर, दुर्गापुर या रायगंज से सशस्त्र पुलिस बल भेजना पड़ा था। आरोप यह भी लगे हैं कि वे देरी से पहुंचे। हाल ही में मुर्शिदाबाद में संशोधित वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में पर्याप्त पुलिस बल जल्दी नहीं पहुंचने के आरोप लगे थे। राज्य के पुलिस अधिकारी व्यावहारिक रूप से आरोपों को स्वीकार किया और कहा कि मुर्शिदाबाद के सुती में जल्द ही राज्य सशस्त्र पुलिस की एक बटालियन(एक हजार जवान) का मुख्यालय बनाकर उनकी तैनाती की जाएगी। राज्य के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इससे यह होगा कि अगर अशांति होती है, तो उसे तुरंत रोकना संभव होगा। अब तक बैरकपुर, दुर्गापुर या रायगंज से बल भेजने में समय लगता था। उस दौरान काफी नुकसान हो जाता था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, हालांकि बल के अधिकारियों ने शुरू में दो बटालियन के बारे में सोचा था, लेकिन यह तय हुआ है कि बैरकपुर से 8वीं बटालियन को सुती में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। यह भी तय हो गया है कि सशस्त्र बलों का मुख्यालय सुती में कहां होगा। मालदा और मुर्शिदाबाद में सशस्त्र बलों के कैंप हैं, उन्हें भी सूती कैंप में लाया

जाएगा। राज्य पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार सैन्य या सशस्त्र पुलिस बल का 'विकेंद्रीकृत' चरित्र होता है, ताकि कहीं कोई गड़बड़ी होने पर आसपास के इलाकों से बल जल्दी पहुंच सकें। आपात स्थिति में बलों को भेजने से पहले जवानों को तैयार करने, ब्रीफिंग आदि की जरूरत होती है। इसमें भी समय लगता है। इसलिए, बल कितने समय में घटनास्थल पर पहुंचेंगे, इसकी गणना में इनके लिए समय को भी शामिल करना होगा। राज्य सशस्त्र पुलिस में 11 बटालियन हैं। इसके अलावा आइआर बटालियन, एसटीआर बटालियन, ईएफआर, एसटीआरसीओ बटालियन, नेताजी, जंगलमहल, नारायणी बटालियन हैं। लेकिन इनमें से किसी का भी मुख्यालय मुर्शिदाबाद या मालदा में नहीं है। सभी जिलों और पुलिस जिलों में 40-80 सशस्त्र बल के जवान होते हैं जिन्हें 'डीजी रिजर्व फोर्स' कहा जाता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जवानों की इतनी संख्या से समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। कैंप में शारीरिक व्यायाम की कोई नियमित व्यवस्था नहीं है। ऐसे में जवानों की क्षमता कम होती जा रही है। नतीजतन उपद्रवियों से निपटने में भी उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

हावड़ा मंडल के विशेष टिकट जांच अभियान में 78,355 का राजस्व हुआ अर्जित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने 6 जून को बिना टिकट यात्रा पर लगाम लगाने के लिए एक विशेष टिकट जांच अभियान चलाया। इस अभियान का संचालन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा, राहुल रंजन की निगरानी में किया गया। अभियान के तहत 12 ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर्स और 3 वाणिज्य निरीक्षकों की टीम ने हावड़ा से चंदननगर के बीच चलने वाली लोकल ट्रेनों में मोबाइल जांच तथा चंदननगर स्टेशन पर स्थिर जांच की। इस विशेष अभियान के दौरान कुल 207 मामलों में टिकट अनियमितताएं पाई गईं, जिनमें 178 यात्री बिना वैध टिकट के यात्रा करते पकड़े गए। इस कार्रवाई से रेलवे को कुल 78,355 का राजस्व जुर्माने और दंड के रूप में प्राप्त हुआ। हावड़ा मंडल द्वारा किया गया यह अभियान रेलवे प्रशासन की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कंचनजंघा से चंद कदम पहले लौट आईं पियाली बसाक, बोलीं : जानना जरूरी है कि कहां रुकना है

कोलकाता, समाज्ञा

चंदननगर की 'पहाड़ कन्या' पियाली बसाक इस बार कंचनजंघा शिखर को नहीं छू सकीं। दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी से मात्र 1000 मीटर नीचे पहुंचने के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। कारण-शारीरिक अस्वस्थता और खराब मौसम। लेकिन पियाली ने साहसिक निर्णय लेते हुए कहा, जानना जरूरी है कि कहां रुकना है। पहाड़ रहेगा, शिखर भी रहेगा- फिर लौटूंगी।

पियाली का लक्ष्य था कंचनजंघा अभियान, जिसके पहले वह चीन की शिशापांग्मा चोटी की योजना बना रही थीं, लेकिन अनुमति न मिलने के कारण उन्होंने दिशा बदली। 7 अप्रैल को चंदननगर से रवाना हुईं इस यात्रा के लिए एक निजी बैंक ने 20 लाख रुपये का प्रायोजन दिया था।

कठिन रास्तों और विपरीत मौसम के बीच वह कैंप-4 तक पहुंचीं, लेकिन तभी उन्हें तेज़ बुखार, खांसी और ऊंचाई के कारण सांस लेने में तकलीफ होने लगी। सेना के डॉक्टर की दवाइयों से सुधार हुआ, लेकिन उनके शेरपा साथी बीमार पड़ गए। तभी अचानक मौसम और खराब हो गया।

पियाली ने कहा, चोटी से बस 1000 मीटर नीचे थे, लेकिन तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टर की दवा से सुधरी तो फिर चढ़ने की सोची, लेकिन शेरपा बीमार पड़ गए और मौसम भी बिगड़ गया। तब मैंने सोचा-अब रुक जाना चाहिए, क्योंकि जान है तो फिर चढ़ा जा सकता है।

यह उनका 16वां अभियान था। अब तक वह आठ हजार मीटर की सात चोटियों-मानसलू, धौलागिरी, ल्होत्से, अन्नपूर्णा, मकालू और एवरेस्ट पर विजय पा चुकी हैं। एवरेस्ट उन्होंने 22 मई 2022 को फतह किया था।

हाल ही में माता-पिता को खोने के बाद पियाली का यह पहला बड़ा प्रयास था। वे कहती हैं, जीवन रहेगा तो पहाड़ फिर बुलाएंगे। कभी-कभी थमना हार नहीं होता।

फिलहाल वह घर पर आराम कर रही हैं, स्कूल जा रही हैं और फिर से फिटनेस पर ध्यान दे रही हैं। उनका सपना है-दुनिया के सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर तिरंगा लहराना। कंचनजंघा इस बार भले अधूरी रही हो, लेकिन पियाली की जंग अभी बाकी है।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने चेनाब और अंजी खाड ब्रिज निर्माण में अहम योगदान दिया

कोलकाता, समाज्ञा

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने भारत के दो प्रमुख रेलवे इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में अहम भूमिका निभाई है। कंपनी ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज, चेनाब ब्रिज के लिए कुल स्टील आवश्यकताओं में से 70% यानी लगभग 25 हजार मीट्रिक टन उच्च-शक्ति संरचनात्मक स्टील की आपूर्ति की है। इसके अलावा, भारत के पहले केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज, अंजी खाड ब्रिज के लिए 100% स्टील, लगभग 7,000 मीट्रिक टन, कंपनी ने हजीरा प्लांट में फैब्रिकेटेड रूप में उपलब्ध कराया। ये दोनों ब्रिज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित किए गए, जो 'विकसित भारत 2047' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

एएम/एनएस इंडिया द्वारा सप्लाई किया गया स्टील कठोर गुणवत्ता जांच से होकर गुजरता है, जिससे इसकी टिकाऊ क्षमता और जंग-रोधी विशेषताएं सुनिश्चित होती हैं। कंपनी ने डिजाइन की जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक उपकरणों का भी उन्नयन किया है। निदेशक एवं वाइस प्रेसिडेंट रंजन धर के अनुसार, यह पहल भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और औद्योगिक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दुर्गम पर्वतीय इलाकों में भी कंपनी ने लॉजिस्टिकल चुनौतियों के बावजूद स्टील की आपूर्ति सुनिश्चित कर राष्ट्रीय विकास में अहम योगदान दिया है।

सियालदह में ईआरडबल्यूडबल्यूओ समर कैंप 2025: रचनात्मकता, संस्कृति, विरासत एवं विज्ञान से बाल विकास

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईआरडबल्यूडबल्यूओ) द्वारा सियालदह में आयोजित समर कैंप 2025 बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। 23 मई से 2 जून तक चले इस आठ दिवसीय कैंप में 84 बच्चों ने भाग लिया, जहां उन्होंने कला, संस्कृति, विरासत और वैज्ञानिक अन्वेषण से जुड़ी कई गतिविधियों में हिस्सा लिया। ईआरडबल्यूडबल्यूओ समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं और गरीब बच्चों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत है और वर्षभर विभिन्न सामाजिक सेवाओं को मिशन की तरह आगे बढ़ाता रहता है। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों को सीखने का एक ऐसा मंच प्रदान करना था, जहाँ वे मज़ा करते हुए ज्ञान अर्जित कर सकें और अपनी

सृजनात्मक प्रतिभा को निखार सकें।

इस कैंप में हर दिन की थीम अलग थी, जैसे भारत के त्योहार, भारतीय व्यंजन, कला और संस्कृति, वन्यजीव और इको-रीसायकल, जिससे बच्चों को विविध विषयों पर गहराई से जानने का अवसर मिला। यह समर कैंप बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव था, जिसने उनकी जिज्ञासा और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हुए उनके समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आम तोड़ने पर दो किशोरों की बुरी तरह से पिटाई , एक की हालत गंभीर

हुगली : हुगली जिले के उत्तरपाड़ा थानांतर्गत कोन्ननगर के मास्टर पाड़ा इलाके में आम तोड़ने के कारण दो किशोरों की जमकर पिटाई कर दी गई। जिसमें से एक किशोर की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, इलाके के एक घर में आम तोड़ने के लिए दोनों किशोर पेड़ पर चढ़े थे। उसी दौरान घर में किराए पर रहने वाले एक टोटो चालक ने पकड़कर किशोरों को बुरी तरह से पीट दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक किशोर किसी तरह मौके से भागने में सफल रहा, लेकिन दूसरा किशोर पकड़ा गया और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। घायल किशोर के पिता संजू डोम और अन्य किशोर के ताऊ राजा राजभर ने आरोपी की सख्त सजा की मांग

की है। वहीं, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से उचित कार्रवाई और आरोपी के खिलाफ कड़ी सजा की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

हावड़ा मंडल ने रानी झील, बामनगाछी में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या का किया समाधान

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा मंडल के इंजीनियरिंग विभाग ने बामनगाछी क्षेत्र में वर्षों से बनी जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए रानी झील में एक व्यापक सुधार परियोजना शुरू की है। रानी झील इस इलाके का मुख्य जलाशय है, जो मानसून के दौरान बार-बार पानी के अतिप्रवाह के कारण हावड़ा कार शेड एवं आसपास के रेलवे और आवासीय क्षेत्रों में गंभीर जलभराव की समस्या उत्पन्न करता रहा है। आसपास के नागरिक इलाकों से जमा हुआ पानी भी झील में प्रवेश कर स्थिति को और बिगाड़ता था। इस समस्या के प्रमुख कारणों में झील के किनारों पर कूड़ा-करकट का जमा होना, अनधिकृत अतिक्रमण और जल निकासी मार्गों का जाम होना शामिल हैं, जो गंगा नदी की ओर जल प्रवाह में बाधा डालते हैं।

रानी झील की सुंदरता और पुनरुद्धार के उद्देश्य से इंजीनियरिंग विभाग ने झील की तलछट हटाने और आसपास के नालों तथा जलमार्गों के सुधार के लिए पुल नंबर 1 से 6 तक के क्षेत्र में एक व्यापक टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। इस परियोजना के तहत अब तक जलफूल का पूर्ण रूप से निष्कासन किया गया है, जलाशय की जलधारण क्षमता बढ़ाने के लिए छह फीट गहराई तक तलछट हटाई गई है, सभी पुलों के जलमार्ग समेत नालियों की सफाई की गई है ताकि जल निकासी बाधित न हो। साथ ही, झील से निकले कीचड़ और तलछट का उचित निपटान किया गया है तथा जल निकासी मार्ग को अवरुद्ध करने वाले अनधिकृत अतिक्रमणों को हटाया गया है। इन कार्यों से स्थानीय जल निकासी तंत्र में काफी सुधार हुआ है और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की उम्मीद बढ़ गई है।

न्यूज इन ब्रीफ

बिहार: चॉकलेट चोरी के आरोप में पांच लड़कों को निर्वस्त्र घुमाया गया, दुकानदार सहित तीन गिरफ्तार

सीतामढ़ी : बिहार के सीतामढ़ी जिले में एक किराना दुकान से चॉकलेट चुराने के आरोप में पांच लड़कों को चप्पलों की माला पहनाकर निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार को हुई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुकानदार, उसके बेटे और एक अन्य ग्रामीण को गिरफ्तार कर लिया है। सीतामढ़ी सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रामकृष्ण ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पीड़ितों के चेहरे पर चूना लगाया गया था और उन्हें पीटे जाने की भी बात सामने आई है।

मऊ में काशीदास पूजा के दौरान गोलीबारी में पूर्व प्रधान घायल, कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा

मऊ (उप्र) : मऊ जिले में कोपागंज थाना क्षेत्र के देवकली बिशुनपुर गांव में काशीदास पूजा के दौरान पुरानी रंजिश में एक पूर्व प्रधान को गोली मारकर घायल कर दिया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस मामले को लेकर कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने सत्तारूढ़ दल भाजपा पर निशाना साधते हुए दोषियों के ख़िलाफ़ कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूजा कार्यक्रम के बाद नीलेश यादव के घर पर प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चल रहा था, जहां गांव के ही युवक ने पुरानी रंजिश के चलते गोली चला दी। इस गोलीबारी में गांव के ही पूर्व प्रधान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता रमेश राय (60) सिर में गोली लगने गंभीर रूप से घायल हो गए। यादव ने बताया ,'' मेरे घर पर आज काशीदास का पूजा हो रहा था, जहां पर पूर्व प्रधान रमेश राय पहुंचे हुए थे। तभी यह घटना हुई। घायल पूर्व प्रधान को हम लोग कोपागंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए थे, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां भी हालत गंभीर देखते पूर्व प्रधान को वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।''

बाराबंकी में सरयू नदी में नहाने गए दो बालकों की डूबने से मौत

बाराबंकी (उप्र) : बाराबंकी जिले में कोतवाली बदोसराय क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदारी में शादी समारोह में आये दो बालकों की शनिवार शाम सरयू नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि के बहराइच जिले के निवासी सत्यम पाल (13) और विवेक पाल (12) अपने मामा के घर शादी में शामिल होने बदोसराय क्षेत्र के अलीनगर गांव आये थे। खेलते-खेलते दोनों बच्चे गांव से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित सरयू नदी के किनारे पहुंच गए। वहीं नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए। पुलिस के अनुसार बच्चों की चीख सुनकर, पास में जानवर चरा रहे चरवाहे तुरंत मदद के लिए पहुंचे। उन्होंने नदी से बच्चों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों बच्चे मौसेरे भाई थे और बहराइच जिले के रहने वाले थे। घटना की जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह, सीओ गरिमा पन्त , निरीक्षक सन्तोष कुमार एवं अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

हाथरस में बिजली के तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत, तीन अन्य झुलसे

हाथरस : उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में शनिवार को एक बस की छत पर सामान उतारने चढ़े एक व्यक्ति की बिजली के तारों की चपेट में आने से मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग बुरी तरह से झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 28 मई को सादाबाद से एक बस नगरकोट, ज्वाला देवी, वैष्णो देवी, हरिद्वार आदि तीर्थ स्थलों के लिए रवाना हुई थी जिसमें आसपास के जिले के लोग भी तीर्थ पर गए थे।

बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ सकता हूं, पर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नजर नहीं: चिराग

पटना : केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को कहा कि वह केवल अपनी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 'स्ट्राइक रेट' को बेहतर बनाने के लिए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं, लेकिन उनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं है। 'स्ट्राइक रेट' से आशय कुल सीट जिस पर पार्टी ने चुनाव लड़ा है उसके सापेक्ष जीती गई सीट की संख्या के प्रतिशत से है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का 'स्ट्राइक रेट' बेहतर होने से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मदद मिलेगी। यहां पत्रकारों से बात करते हुए हाजीपुर के सांसद ने इस बात से भी दृढ़ता से इनकार किया कि उनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर है।

चिराग ने गठबंधन के भीतर गलतफहमी पैदा करने के प्रयासों पर अफसोस जताया। चिराग ने कहा, ''मैं चुनाव लड़ूंगा या नहीं, यह फैसला मेरी पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। अगर मैं लड़ता भी हूं, तो यह कोई असाधारण बात नहीं होगी। यहां तक कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अक्सर अपने राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को राज्य के चुनाव लड़ने के लिए उतारा है।'' बिहार विधानसभा का चुनाव इस साल के अंत में होने वाला है। चिराग (42) ने कहा, ''मैं एक बात स्पष्ट कर दूं कि अगर मैं विधानसभा चुनाव लड़ता हूं, तो यह केवल मेरी पार्टी के लिए बेहतर 'स्ट्राइक रेट' सुनिश्चित करने के लिए होगा, जिससे राजग को मदद मिलेगी। मुझे यह देखकर दुख होता है कि गठबंधन के भीतर यह गलतफहमी पैदा करने की कोशिश की जा रही है कि मेरी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर है।'' लोक जनशक्ति पार्टी के पूर्व अध्यक्ष चिराग पासवान ने 2020 के विधानसभा चुनाव में विद्रोह कर दिया था जिसके कारण जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) की सीट संख्या कम हो गई थी। फिलहाल चिराग ने कहा है कि वह भविष्यवाणी करते हैं कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग बिहार में अब तक की अपनी सबसे मजबूत सरकार बनाएगा। केंद्रीय मंत्री ने खुलासा किया कि रविवार को उनकी पार्टी भोजपुर जिला के मुख्यालय आरा में एक रैली के साथ चुनावी बिगुल फूंकेगी। चिराग की पार्टी उन्हें अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ाना चाहती है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि चिराग भोजपुर और आसपास के जिलों से बने शाहाबाद क्षेत्र की एक विधानसभा सीट चुन सकते हैं।

बिहार में तेजस्वी यादव के काफिले को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन सुरक्षाकर्मी घायल

वैशाली (बिहार) : बिहार के वैशाली जिले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के काफिले की दो गाड़ियों को शुक्रवार देर रात को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस घटना में राजद नेता बाल-बाल बच गए लेकिन तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रक से उस गाड़ी को टक्कर नहीं लगी जिसमें राज्य विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष यादव सवार थे। अधिकारी ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे की है जब यादव का काफिला गोरौल के पास पटना-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चाय पीने के लिए रुका था। अधिकारी ने बताया कि वे मधेपुरा से पटना लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''यादव को किसी भी तरह की चोट नहीं आई है। तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए और उन्हें नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। यादव भी अस्पताल पहुंचे और घायल कर्मियों का हालचाल जाना।'' अस्पताल में यादव ने पत्रकारों से कहा, ''दुर्घटना उस समय हुई जब हम मधेपुरा से पटना लौट रहे थे। हम गोरौल के पास चाय पीने के लिए रुके थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने मेरे काफिले की दो गाड़ियों को टक्कर मार दी, जिससे तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। मैंने जिला पुलिस और प्रशासन को तुरंत सूचित किया। दुर्घटना मेरे वाहन से सिर्फ पांच फुट की दूरी पर हुई।'' अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है और वाहन को जब्त कर लिया है। यादव ने कहा, ''यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।''

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा : अजय राय

वाराणसी : कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने लूट, चोरी और छेड़खानी के आरोप में पार्टी के दो स्थानीय कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को उन्हें बदनाम करने के लिए राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है। राय ने शनिवार को कहा, कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी मुझे बदनाम करने के लिए की गई है। यह मुकदमा तीसरी बार कराया गया है। पुलिस ने अजय राय के करीबी माने जाने वाले कांग्रेस के दो स्थानीय कार्यकर्ताओं को लूट, चोरी और छेड़खानी के आरोप में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया था। एक महिला की शिकायत पर यह गिरफ्तारी की गई जिसका आरोप है कि चेतगंज इलाके में उसका उत्पीड़न कर जबरदस्ती उसे उसकी दुकान से बेदखल कर दिया गया। थाना प्रभारी दिलीप कुमार मिश्रा ने कहा कि शिकायतकर्ता सचिना खातून ने हथुआ बाजार में संजय सिंह नाम के एक व्यक्ति से किराये पर एक दुकान लेकर उसमें बुटीक चलाती थी। खातून का आरोप है कि कोविड-19 के दौरान संजय सिंह की मृत्यु के बाद उनके मित्र आनंद पांडेय और अमित पाठक ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया और पैसा वसूलने लगे।

अभियान चलाकर 'शेल' कंपनियों एवं पंजीकृत फर्जी फर्मों के खिलाफ करें कार्रवाई: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान चलाकर 'शेल' कंपनियों एवं पंजीकृत फर्जी फर्मों के खिलाफ कार्रवाई करें। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने राज्य कर विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कर संग्रह में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता और कड़े प्रवर्तन की नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने 'शेल' कंपनियों और पंजीकृत फर्जी फर्मों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कृत्य व्यापारी बन्धुओं की सुविधाओं में सेंध लगाने का प्रयास है, जो अक्षम्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर चोरी एक राष्ट्रीय अपराध है और इससे राज्य की विकास योजनाओं तथा लोककल्याणकारी कार्यक्रमों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उपभोक्ता आधारित कर प्रणाली है, इसलिए जहां जनसंख्या घनत्व अधिक है, वहां से अपेक्षाकृत अधिक कर प्राप्त होना स्वाभाविक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे जोन जहां कर संग्रह औसत से कम है, वहां विशेष रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 'सेंट्रल जीएसटी' के अंतर्गत पंजीकृत संदिग्ध फर्मों की जानकारी केंद्र को भेजी जाए ताकि उनका पंजीकरण निरस्त हो सके। उनका कहना था कि राज्य जीएसटी के अंतर्गत पंजीकृत फर्मों की विभागीय स्तर पर गहन जांच कर यदि अनियमितता मिले, तो पंजीकरण निरस्त कर प्राथमिकी दर्ज की जाए।

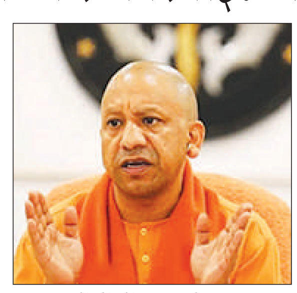

पंजाब की आप सरकार ने लोगों के लिए कोई सार्थक काम नहीं किया : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने लोगों के कल्याण के लिए कोई सार्थक काम नहीं किया है। सैनी ने दावा किया कि पंजाब में भगवंत मान सरकार को अब कोई जन समर्थन हासिल नहीं है। उन्होंने कहा कि 19 जून को लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में लोग सही दिशा में फैसला करेंगे। सैनी शनिवार को संगरूर में वरिष्ठ अकाली नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींडसा के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके घर गए थे। उन्होंने ढींडसा के बेटे और पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री परमिंदर सिंह ढींडसा से मुलाकात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। सैनी ने संगरूर में संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि पंजाब में आप सरकार ''झूठ की नींव'' पर बनी है। उन्होंने दावा किया, ''इस सरकार ने न तो लोगों के कल्याण के लिए कोई सार्थक काम किया है और न ही इसमें काम करने की इच्छाशक्ति है। अब पंजाब के लोग इस सच्चाई को समझ चुके हैं।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सैनी ने कहा कि मान सरकार चुनाव के दौरान लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप का पर्दाफाश हो गया है, क्योंकि ''झूठ ज्यादा दिन नहीं चलता''। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा, ''पंजाब में अब इसे कोई जनसमर्थन नहीं रहा और लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में लोग सही दिशा में फैसला करेंगे।''

बिहार : गोपालगंज में ऑर्केस्ट्रा समूहों से 14 लड़कियां छुड़ाई गई, एक गिरफ्तार

गोपालगंज : बिहार के गोपालगंज जिले में कई स्थानों पर छापेमारी कर पुलिस ने विभिन्न ऑर्केस्ट्रा समूहों में शोषण की शिकार और जबरन नृत्य करने के लिए मजबूर की गईं 14 लड़कियों को मुक्त कराया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुक्त कराई गईं अधिकतर लड़कियां पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में एक ऑर्केस्ट्रा संचालक राकेश सिंह को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस और एक गैर सरकारी संगठन के सदस्यों ने बरौली, मछरीहवा और रतनसराय इलाकों में विभिन्न स्थानों पर संयुक्त रूप से छापेमारी की और 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया। ये शोषण का शिकार थीं और ऑर्केस्ट्रा समूहों में इन्हें नृत्य करने के लिए मजबूर किया गया।''

देवरिया में ईद-उल-अजहा पर एक मुसलमान ने अपनी कुर्बानी दी

देवरिया (उप्र) : देवरिया जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर गौरीबाजार थाना क्षेत्र के एक गांव में एक मुसलमान ने शनिवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) के त्यौहार पर कथित तौर पर अपनी ही कुर्बानी दे दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक बकरीद पर एक मुस्लिम ने खुद की कुर्बानी दे दी। उसने चाकू से अपना गला रेत डाला, जिससे वह घर से बाहर बनी झोपड़ी में करीब एक घंटे तक तड़पता रहा। परिजनों ने जब उसकी कराह सुनी तो तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां से फिर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) अरविंद कुमार वर्मा ने पत्रकारों बताया कि 'यूपी 112' पर फोनकर्ता ने सूचना दी कि देवरिया जनपद के गौरीबाजार थानाक्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपना गला काट लिया है जिसके बाद तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची एवं घायल ईश मोहम्मद अंसारी (60) को एम्बुलेन्स से मेडिकल कालेज देवरिया ले जाया गया। वर्मा ने कहा कि अंसारी की स्थिति गम्भीर देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया लेकिन दुर्भाग्यवश उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी अपर पुलिस अधीक्षक का कहना है कि नियमानुसार पोस्टमार्टम की कार्यवाही करायी जा रही है। मौके की जांच एवं 'फील्ड यूनिट' द्वारा उपलब्ध कराये गये साक्ष्य से भी प्रथम दृष्टया स्वयं द्वारा गला काटने की बात की पुष्टि हुई है और इस सन्दर्भ में अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

राजस्थान : दौसा में घर के बाहर मिला पिता, पुत्र का शव

जयपुर : राजस्थान में दौसा जिले के खवारावजी गांव में शनिवार सुबह एक पिता-पुत्र का शव उनके घर के बाहर मिलने से दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में पुत्र के ससुराल पक्ष के रिश्तेदारों की संलिप्तता का संदेह जताया है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक यह घटना शनिवार सुबह तब सामने आई जब ग्रामीणों ने घनश्याम बैरवा (35) और उसके पिता तनसिंह (70) के शव उनके घर के बाहर पड़े देखे। पापड़दा थाने के प्रभारी संतचरण ने कहा कि दोनों के शरीर पर चोट के निशान मिले तथा नाक और मुंह से खून बह रहा था। इससे संदेह है कि उन पर हमला किया गया था। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस उपाधीक्षक चालक गुप्ता और पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। सबूत जुटाने के लिए फॉरेंसिक और मोबाइल जांच टीमों को भी बुलाया गया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि घनश्याम का अपने ससुराल वालों से विवाद था। घनश्याम का ससुराल मानपुर थाने के लीखली गांव में है। घनश्याम के ससुराल पक्ष के कुछ लोग शुक्रवार शाम को कथित तौर पर उसके घर आए। पुलिस ने कहा कि पड़ोसियों ने बाद में चिल्लाने की आवाज सुनी लेकिन उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया क्योंकि घनश्याम के घर पर अक्सर घरेलू झगड़े होते रहते थे। थाना प्रभारी ने कहा, शुरुआती सुरागों और बयानों के आधार पर, हम घनश्याम के ससुराल वालों की संलिप्तता का संदेह है। पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

वृन्दावन में 20 लाख रुपये के हीरों के आभूषण से भरा थैला छीन ले गया बंदर

मथुरा (उप्र) : वृन्दावन में ठाकुर बांके बिहारी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे अलीगढ़ के आभूषण कारोबारी अभिषेक अग्रवाल की जान उस समय सांसत में आ गई जब एक बंदर 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण से भरा उनका थैला छीनकर भाग गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोतवाली प्रभारी प्रशांत कपिल ने बताया कि अभिषेक अग्रवाल बृहस्पतिवार को परिवार के साथ ठाकुर जी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे थे और वह शुक्रवार को लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि जब वह पार्किंग में थे तभी अचानक एक बंदर उनके हाथ से उनका थैला छीन कर ले गया जिसमें 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण थे। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) संदीप सिंह ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने बंदर की घेराबंदी कर घंटों की मशक्कत के बाद बैग सही सलामत हासिल कर उसके मालिक को सौंप दिया।

राजस्थान : पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिले सचिन पायलट

जयपुर : कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने शनिवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। पायलट ने गहलोत को अपने पिता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। गहलोत ने इस मुलाकात का एक वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के महासचिव सचिन पायलट ने आवास पर मुलाकात कर पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।'' गहलोत ने लिखा, ''मैं और राजेश पायलट 1980 में पहली बार एक साथ ही लोकसभा पहुंचे एवं लगभग 18 साल तक साथ में सांसद रहे। उनके आकस्मिक निधन का दुख हमें आज भी बना हुआ है। उनके जाने से पार्टी को भी गहरा आघात लगा।'' वहीं पायलट ने भी इस मुलाकात की एक तस्वीर 'एक्स' पर साझा करते हुए एक पोस्ट में लिखा, ''आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। मेरे पिता राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि पर 11 जून को दौसा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में उन्हें शामिल होने के लिए निवेदन किया।'' उल्लेखनीय है कि 2020 में राजस्थान की तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार पर आए सियासी संकट के बाद पायलट व गहलोत के रिश्ते सामान्य नहीं रहे।

पंजाब में हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने हथियार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सीमा पार से तस्करी कर लाए गए छह विदेश निर्मित हथियारों को जब्त किया और इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमृतसर निवासी राजन, परमजीत सिंह और दिनेश कुमार के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से बरामद हथियारों में दो ग्लॉक 19एक्स पिस्तौल, दो .30 बोर पिस्तौल, एक .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल और एक बेरेटा .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि ये आरोपी श्री गोइंदवाल साहिब केंद्रीय जेल में कैद कुख्यात अपराधी जुगराज सिंह के निर्देश पर काम कर रहे थे। यह गिरोह वह अपने वकील के मुंशी राजन के जरिये चला रहा था। डीजीपी यादव के अनुसार, जुगराज सिंह के खिलाफ आपराधिक और मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित कई मामले दर्ज हैं और वह जेल में रहते हुए भी पाकिस्तानी मादक पदार्थ तस्करों के संपर्क में है। उन्होंने बताया कि ये हथियार सीमा पार से तस्करी कर पंजाब के आपराधिक तत्वों को पहुंचाने के लिए लाए गए थे। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

महाकुंभ भगदड़ में पीड़ितों के परिजनों को मुआवजा नहीं देने पर यूपी सरकार को फटकार

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रयागराज के महाकुंभ में मौनी अमावस्या के शाही स्नान (29 जनवरी) की रात हुई भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा देने में विलंब पर उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। उदय प्रताप सिंह नाम के एक व्यक्ति की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति संदीप जैन की अवकाश पीठ ने कहा कि सरकार एक बार मुआवजा घोषित कर देती है तो उसका समय पर और सम्मानजनक तरीके से भुगतान के लिए वह बाध्य है। अदालत ने महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ में मृतक का शव सरकारी मेडिकल कॉलेज द्वारा बिना पोस्टमार्टम किए उसके परिजनों को सौंपने पर भी चिंता जताई। उच्च न्यायालय ने कहा, यह चिंताजनक है कि याचिकाकर्ता की पत्नी का शव उसके बेटे को पांच फरवरी, 2025 को सौंपा गया और चार महीने बीत गए, लेकिन सरकार द्वारा घोषित मुआवजे के एक भी हिस्से की पेशकश याचिकाकर्ता को नहीं की गई है। राज्य सरकार के मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने दलील दी कि चूंकि याचिकाकर्ता ने दावा पेश नहीं किया है, इस पर विचार करने का चरण नहीं आया है। इस पर अदालत ने कहा, प्रथम दृष्टया हम इस रुख को समर्थनीय पाते हैं और इसमें नागरिकों की दुर्दशा के प्रति उदासीनता की बू आ रही है। पीड़ित परिवारों को अत्यंत अनुग्रह और गरिमा के साथ मुआवजे का भुगतान करना सरकार का कर्तव्य है। अदालत ने कहा, एक बार मृतक के परिजनों की जानकारी सरकार को हो जाती है तो पीड़ित परिवारों को पैसे की भीख मांगने के लिए कहना, सरकार की ओर से बहानेबाजी प्रतीत होता है और वह भी तब जब पीड़ित परिवार बहुत दूर से आता हो और उसे अपूर्णीय क्षति हुई हो। अदालत ने कहा, सरकार अपने नागरिकों की ट्रस्टी है और वह न केवल उनके जीवन की रक्षा करने, बल्कि उन्हें परिहार्य नुकसान से बचाने के लिए बाध्य है। यह निर्विवादित है कि कुंभ मेला का प्रबंधन सरकार के हाथ में था न कि किसी अन्य के हाथ में। अदालत ने शुक्रवार को दिए अपने आदेश में राज्य के अधिकारियों को हलफनामा दाखिल कर मुआवजे के लिए प्राप्त कुल दावों, जिन दावों पर निर्णय किए गए उनकी संख्या और लंबित दावों की संख्या का विवरण उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही अदालत ने प्रयागराज में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों और अधिकारियों को इस याचिका में पक्षकार बनाने और उन्हें हलफनामे दाखिल कर 28 जनवरी से मेला की समाप्ति तक सभी मृत्यु और उनके पोस्टमार्टम आदि की जानकारी देने को कहा और सुनवाई की अगली तिथि 18 जुलाई, 2025 तय की।

जासूसी मामले में पंजाब के यूट्यूबर की पुलिस हिरासत बढ़ी, ज्योति मल्होत्रा मामले में किया गया था

चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस ने ज्योति मल्होत्रा जासूसी मामले में पंजाब के यूट्यूबर जसबीर सिंह को छह जून को तलब किया था लेकिन जांच में शामिल होने से पहले ही पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के वकील ने शनिवार को यह दावा किया। सिंह के वकील ने इस आरोप से भी इनकार किया कि सिंह पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई का एजेंट है। मोहाली की एक अदालत ने शनिवार को सिंह की पुलिस रिमांड दो दिन के लिए बढ़ा दी। सिंह को चार जून को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। शनिवार को तीन दिन की पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद सिंह को अदालत में पेश किया गया। सिंह के वकील ने बताया कि पुलिस ने उनके मुवक्किल की सात दिन की रिमांड का अनुरोध किया था लेकिन अदालत ने सिर्फ दो दिन की रिमांड का आदेश दिया। रूपनगर जिले के महलान गांव का निवासी जसबीर सिंह उर्फ जान महल (41) के यूट्यूब चैनल 'जान महल वीडियो' के 11 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं और वह चैनल पर यात्रा और खाना पकाने से संबंधित वीडियो पोस्ट करता था। सिंह, हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा के कथित तौर पर निकट संपर्क में था, जिसे पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पंजाब पुलिस ने सिंह की गिरफ्तारी के बाद दावा किया था कि बल ने एक 'आतंकवाद समर्थित जासूसी नेटवर्क' का पता लगाया है, जो आरोपी को पाकिस्तानी खुफिया और सेना के अधिकारियों से जोड़ता है। पुलिस ने बताया था कि यूट्यूबर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए कथित तौर पर जासूसी कर रहा था। सिंह के वकील मोहित धूपर ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अदालत में अपने मुवक्किल से मुलाकात की थी। धूपर ने कहा, हमने सिंह से बात की। मीडिया में ऐसा कुछ नहीं कहा जा रहा है कि वह आईएसआई एजेंट था। वकील ने दावा किया कि सिंह सिर्फ एक 'ब्लॉगर' है। धूपर ने बताया कि सिंह को पंजाब पुलिस ने 17 से 30 मई तक के लिए तलब किया था। वकील ने बताया कि सिंह ने अपना मोबाइल फोन और लैपटॉप पहले ही पुलिस को दे दिया था।

इंदरगढ़ का किला, राजस्थान

हमारी अनजानी धरोहर 72

डॉ. एस. के. सैनी

इंदरगढ़ का किला बूंदी जिले में स्थित है। बूंदी के राव राजा छत्रसाल सिंह के छोटे भाई इंद्रशाल सिंह ने इंदरगढ़ की स्थापना की और यहां पर एक अति सुंदर किले का निर्माण करवाया। किले का निर्माण 17वीं शताब्दी में किया गया था। यह बहुत ही विशाल और अति सुंदर कला था जो 367 वर्ष पुराना है।इसका भव्य पर कोटा काफी दूर से दिखाई देता है तुलनात्मक रूप से यह एक छोटी पहाड़ी के समीप बनाया गया है इसके अंदर महल और चित्रशाला है दीवारों पर मनोहरी चित्र बनाए गए हैं। यह बूंदी जिले से 77 किलोमीटर दूर पड़ता है और नई दिल्ली कोटा रेलवे लाइन पर यह स्टेशन है इंदरगढ़ सुमेरगंज मंडी वहां से मुश्किल से 3 किलोमीटर दूर है। यह किला राजपूत स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है और अरावली पर्वतमाला के मध्य में स्थित है।

यहां राव राजा उम्मेद सिंह ने पर कोटा और कुछ महलों का निर्माण करवाया। इस महल के अंदर प्रवेश करने के बाद एकदम वीरान माहौल की आहट महसूस होती है हालांकि उस समय की शिल्प कला अद्भुत है।छत्रियों का निर्माण बेहद खूबसूरती से किया गया था।

इस महल की विशेषता है असंख्य झरोखे जहां से राज परिवार के लोग नीचे की ओर मीलों दूर तक देख सकते थे। अगर नीचे कोई उत्सव हो रहा हो तो झरोखों में बैठकर उसका विहागावलोकन किया जा सकता है। अंदर पर कोठी के जब आप प्रवेश करते हैं तो महल तक पहुंचाने के लिए आपको ऊंची चढ़ाई कड़नी पड़ती है आप अंदर प्रवेश करते जाते हैं करते जाते हैं और फिर आप कई सारे कक्षँ से गुजरते हुए राजा रानी के महलों में पहुंचते हैं। और तो और, यहां पर उनके रानीवास की अन्य रानियां के भी महल हैं और क्षत्रिय राजपूत के महल भी अंदर ही हैं। इसका रखरखाव एक बहुत बड़ी चुनौती है और यहां पर पर्यटक भी काम आते हैं इस वजह से इस किले को प्रवेश टिकट रखकर भी नहीं खोला जा सकता। किले के अंदर की फ्रिस्को पेंटिंग्स यानी भित्ति चित्रकला मनोहारी है।उस समय की अद्भुत हुआकला करती थी लेकिन अब धीरे-धीरे फीकी पड़ती जा रही है।इसके संरक्षण की बेहद जरूरत है। इंदरगढ़ का किला हमारे अतीत की गौरवशाली इतिहास की कड़ी है जब राजपूत शासकों का राज्य हुआ करता था और बूंदी के यह हाडा राजपूत अपनी वीरता में किसी से कम नहीं थे।

जब हम सड़क मार्ग से इंदरगढ़ से लाखेरी की ओर जाते हैं तो हमें यह है किला और पर कोटा बांये और दिखाई देता है। अगर सरकार ने किले का अधिग्रहण नहीं किया तो जल्दी ही यह खूबसूरत अतीत की धरोहर खतरे में पड़ जाएगी जगह-जगह से दीवारें टूट रही हैं और संरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है।

किचन गार्डन: लाभ उठाएं पूरा

सारिका

घर चाहे अब चाहे छोटे होते जा रहे हैं, फिर भी लोगों का पौधे लगाने का शौक कम नहीं हुआ। पहले बड़े मकानों में आंगन के कुछ भाग को कुछ कच्चा रखा जाता था और मर्जी व जरूरत के अनुसार पौधे लगाए जाते थे। अब आंगन तो घरों में होता नहीं और शहरों में मल्टीस्टोरीड अपार्टमेंट बन गए हैं। फिर भी बालकनी या छत पर गमले रखकर लोग किचन गार्डनिंग का शौक पूरा कर लेते हैं। उन गमलों में पालक, पुदीना,धनिया,करीपत्ता, तुलसी, नींबू, मिर्च, टमाटर, प्याज लगा लेते हैं जिनका आवश्यकता होने पर प्रयोग किया जा सके।

पौधों से मिलती हैं ताजा हर्ब:-

बालकनी में गमले रखकर तुलसी, करीपत्ता तो आसानी से लगाया जा सकता है। सभी जानते हैं तुलसी और करीपत्ता इतने उपयोगी हर्ब्स हैं जिन्हें जब भी आवश्यकता पड़े, तोड़कर प्रयोग में लाया जा सकता है। करीपत्ते का प्रयोग अक्सर लोग सब्जी में तड़का लगाने के लिए करते हैं। इससे सुगंध भी अच्छी आती है और सेहत के लिए भी लाभप्रद है। तुलसी दलों का तो खांसी जुकाम, बुखार होने पर विभिन्न तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है।

बिन दवाइयों वाले सब्जी और साग:-

किचन गार्डन में आप बिना पेस्टिसाइडस वाली सब्जियां और साग प्राप्त कर सकते हैं। बाजार में तो हर फल सब्जी-साग कीटाणुनाशक दवा वाली ही मिलती है। घर पर उगी सब्जी, साग तो आप जानते हैं कि साफ पानी और साफ मिट्टी में पैदा की गई है।

सस्ती पड़ती हैं घर की सब्जियां:-

अगर जगह अधिक है या छत पर खेती करने की पूरी जानकारी है तो आप जो सब्जियां घर पर लगाते हैं, वे सस्ती पड़ती हैं और बाजार भी जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

हैल्थ के लिए भी लाभदायक:-

धनिया, पुदीना, करीपत्ता, तुलसी घर पर अधिक मात्रा में लगाएं ताकि इनका अधिक प्रयोग कर हम अपनी सेहत ठीक रख सकते हैं। बाहर से इन्हें लाने पर हम भूल भी जाते हैं और ताजे पत्ते भी प्राप्त नहीं हो सकते। घर पर होने के कारण आप इनका प्रयोग अधिक कर सकते हैं।

कीड़े- मकौड़े से भी बचाव:-

अगर बालकनी खाली पड़ी रहेगी तो उसमें हम फालतू सामान रखते जाएंगे जो कीड़े मकौड़ों की जन्म स्थली बन जाएगा। अगर हम पौधे लगाएंगे तो उनकी सफाई भी होती रहेगी और तुलसी, गैंदे के पौधों पर कीड़े मकौड़े भी कम आएंगे। जगह का सही उपयोग भी हो जाएगा।

समय का सदुपयोग:-,

खाली समय में टीवी देखने या औरों के बारे में चर्चा करने से बेहतर आप्शन है गार्डनिंग करना। शुरू में माली की सहायता से गार्डनिंग करना सीखें फिर धीरे धीरे अपने शौक में इसे शामिल करें। संतुष्टि भी मिलेगी और समय का सही प्रयोग भी होगा और विचारों में सकारात्मकता भी बनी रहेगी। (उर्वशी)

पीयर प्रेशर से बचें

शिवांगी झाँब

टीनएज एक ऐसी उम्र होती है जब दोस्त ही पूरी जिंदगी लगते हैं। इस उम्र में बच्चों को माता-पिता का कुछ समझाना या सलाह देना, उन्हें डांटना या बात-बात पर टोकना बुरा लगने लगता है। उनके लिए जो वह खुद सोचते हैं, वहीं सही है। वह अपने दोस्तों में मस्त रहना, उनकी सुनना भी और उनके अनुसार चलना, पहनना पसंद करते हैं।

इसके कारण वह अच्छे-बुरे का न सोच सकते हैं न समझदारी से चल पाते हैं। ऐसे में बच्चों के व्यवहार में बदलाव नजर आने लगता है।

हमउम्र के कारण व्यवहार में बदलाव:-

- खान-पान व नींद में गिरावट नजर आना।
- हर वक्त चिड़चिड़े रहना या सीधे मुंह जवाब न देना।
- चोरी, छेड़छाड़, मारपीट, जुआ, शराब जैसी गलत आदतों में पड़ जाना।
- नशे की लत लग जाना।
- स्कूल जाने के लिए उत्साह न दिखाना। मार्क्स में गिरावट या मनपसंद एक्टिविटी से किनारा कर लेना।
- बार-बार उदास होना, रह रह कर आंखें भर आना या बहुत निराशा जाहिर करना। इनके बढ़ने से बच्चा डिप्रेशन का शिकार हो सकता है।

हमउम्र साथियों के दबाव को पीयर प्रेशर कहा जाता है। जब क्लास के बच्चे ताना कसते हैं, उनका मजाक उड़ाते हैं, आपको देखकर उनका हंसना, आपकी उपस्थिति को नजरअंदाज करना या बायकॉट कर देना, यह पीयर प्रेशर होता है। पीयर प्रेशर सिर्फ नेगेटिव नहीं बल्कि पॉजिटिव भी होता है।

पाजिटिव पीयर प्रेशर:-

उन बच्चों के साथ रहना जिससे बच्चों की न सिर्फ पढ़ाई पर बल्कि पूरी ग्रोथ पर असर पड़े, यह पॉजिटिव पीयर प्रेशर होता है।

- दूसरों को पढ़ता देखकर खुद भी पढ़ना।
- एक्टिविटीज में पार्ट लेना।
- अच्छा खाना खाकर अपनी सेहत का ध्यान रखना।
- क्लास में उत्साहित होकर बैठना।
- हर विषय की टीचर को जवाब देने की कोशिश करना।
- अच्छी फिल्में देखना।
- अपने दोस्तों या जरूरतमंदों की मदद करना।

नेगेटिव पीयर प्रेशर:-

नेगेटिव पीयर प्रेशर से बच्चे का तौर तरीका बदलने लगता है, वह गलत आदतों में पड़ने लगते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास डगमगाता है।

- सबसे हर समय झूठ बोलना।
- खाने-पीने व नींद पर ध्यान न देना।
- शराब, सिगरेट, जुआ खेलना जैसे नशों की चपेट में आ जाना।
- महंगा, ब्रांडेड सामान खरीदना और मनपसंद गैजेट्स न मिलने पर चीखना चिल्लाना शुरू कर देना।
- हर समय गुस्से में रहना और सबसे बदतमीजी से बात करना।
- चोरी, छेड़छाड़ या मारपीट जैसे अपराधों में पाया जाना।
- हर समय मोबाइल या कंप्यूटर में जुटे रहना।

सुझाव:-

अगर बच्चे नेगेटिव पीयर प्रेशर में आकर इन आदतों को अपनी जिंदगी में शामिल कर देते हैं तो उन्हें सही मार्ग दिखाना जरूरी है। इसके लिए बच्चों के साथ-साथ माता पिता एवं टीचर को मिलकर काम करना होगा।

सेल्फ हेल्प:-

- अपने आप से एवं अपने माता-पिता से ईमानदार होना अनिवार्य है।
- सही गलत का फर्क खुद पहचानें और गलत कामों से धीरे धीरे मुंह मोड़ लें।
- किसी भी समस्या का हल निकालने पर माता-पिता की सहायता लें।
- शो आफ में न पड़कर अपने माता-पिता की जेब के अनुसार चलें।
- इस बात को समझें कि आपके माता-पिता आपके भले के लिए ही आपको डांटते हैं। इससे आपको फायदा ही होगा।
- पीयर ग्रुप के कारण अपनी बेहतर आदतों और सम्मान को दाव पर ना लगाएं।

पेरेंटस का रोल:-

- उसके दोस्त कैसे हैं जरूर जानिए। अपने बच्चे से कह कर उसके दोस्तों को घर बुलाएं ताकि आपको उसकी संगति का अंदाजा हो।
- बच्चों को महंगी चीजें न खरीदवाएं। उसे सही तरीके से जेब के अनुसार ही खर्च करना सिखाएं।
- अपने बच्चे से बातचीत करें ताकि वह आपसे बातें शेयर करना पसंद करें।
- अगर आपको उनकी कोई बात गलत लग रही है जो वह अपने दोस्तों के दबाव में सोच रहा है तो उनसे बैठ कर आराम से बात करें और उन्हें बात समझाएं, डांट डपट न करें।
- अगर आपको उनका ग्रुप सही नहीं लग रहा तो और दोस्त या नए दोस्त बनाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।
- आप उनके दोस्तों या जान पहचान का दायरा बढ़ाने के लिए उन्हें परिवार के उत्सवों में ले जाएं।
- उन्हें किसी एक्टिविटी जैसे क्रिकेट, फुटबाल, स्विमिंग, सिंगिंग, डांसिंग, म्यूजिक यंत्रा सीखने में दाखिला दिलाएं ।

टीचर के लिए टिप्स:-

- बच्चों की सीट बदलती रहें ताकि क्लास में बच्चों की दोस्ती बढ़े।
- क्लास में शरारती बच्चों को हावी न होने दें।
- नए बच्चों की रैंगिंग न होने दें बल्कि उन्हें सपोर्ट करें।
- बच्चों पर चीखें नहीं बल्कि प्यार से बात समझाएं।
- बच्चा अगर जवाब देते समय हकलाए या अटके तो उसका मजाक ना बनाएं, ना ही बनने दें बल्कि उससे आसान सवाल पूछें।
- बच्चों को पढ़ाते समय अच्छी बातें व वेल्यूज देकर उनमें अच्छे संस्कार डालें।
- बच्चों पर पढ़ाई का दबाव न डालें। बच्चों में तुलना भी न करें। हर बच्चे की परिस्थिति दूसरे से भिन्न होती है। इस बात पर ध्यान दें। (उर्वशी)

खूबसूरत दिखा जा सकता है बिना मेकअप के भी

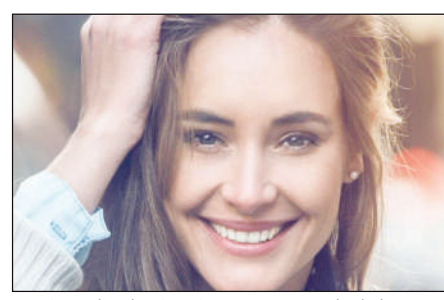

महिलाओं को सुंदर दिखना बहुत अच्छा लगता है जब कोई उनकी तारीफ करता है तो वे फूली नहीं समाती। खूबसूरत दिखने के लिए कोई भी प्रसाधन सामग्री या घरेलू सामग्री प्रयोग करने से नहीं हिचकिचाती। खूबसूरती के लिए जरूरी नहीं है कि मेकअप किया जाए। बिना मेकअप के भी कुछ लाइफ स्टाइल में नियमित बदलाव लाकर भी अपनी खूबसूरती को बरकरार रखा जा सकता है।

त्वचा की नियमित साफ सफाई करें:- त्वचा की चमक बरकरार रखने के लिए त्वचा की नियमित सफाई बहुत जरूरी है। त्वचा की सफाई के लिए चेहरे की धुलाई (क्लींनिंग), टोनिंग, माश्चराइजिंग इन तीनों का करना जरूरी हे। नर्म स्क्रब से मृत त्वचा को हटाते रहें ताकि मृत त्वचा आपकी त्वचा को नुकसान न पहुंचा सकें।

घर पर स्क्रब तैयार कर प्रयोग में ला सकते हैं। 1 चम्मच ओट्स में आधा चम्मच चंदन पाउडर, दही, कच्ची हल्दी, टमाटर का गूदा मिलाएं। इसे चेहरे पर लगा कर हल्का रगड़े। इससे मृत त्वचा साफ होगी। चेहरा धोकर उस पर कैलेमाइन पाउडर में शहद व कोई भी मौसमी फल का गूदा मिक्स कर चेहरे पर लगाएं। स्क्रबिंग के बाद यह मिश्रण त्वचा को राहत देगा और त्वचा में चमक बनी रहेगी।

पानी का सेवन खूब करें:- पानी का सेवन शरीर के विषैले तत्व तो बाहर निकालता है इसके अतिरिक्त त्वचा की नमी को भी बरकरार रखता है। 10 से 12 गिलास पानी प्रतिदिन अवश्य पिएं। इससे शरीर की अंदरूनी सफाई भी होती रहेगी।

त्वचा की ग्लो के लिए:-त्वचा की चमक के लिए चेहरे पर बर्फ को हल्का हल्का रगड़ें। इससे त्वचा में चमक बनी रहेगी और अगर बाहर जाना है तो हल्का मेकअप त्वचा में और निखार लाने में मदद करेगा। मेकअप अधिक समय तक टिका भी रहेगा।

संतुलित आहार:- अगर आप पौष्टिक आहार नियमित लेते हैं तो त्वचा पर चमक बनी रहेगी। आहार में विटामिन ए, सी व ई का ध्यान रखें। पीले रंग की सब्जी और फल में विटाामिन ए की मात्रा भरपूर होती है।

विटामिन सी के लिए नींबू, संतरा, मौसमी, अंगूर, आंवला का नियमित सेवन करें। विटामिन ई बादाम में प्रचुर मात्रा में होता है। इसके नियमित सेवन से त्वचा में झुर्रियां जल्दी नहीं पड़ती। विटामिन सी के सेवन से दाग धब्बे दूर रहते हैं और रंग साफ रहता है। अपने नियमित आहार में फाइबर का भी ध्यान रखें जो शरीर के अंदर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। टमाटर का भी नियमित सेवन करें।

करें नियमित व्यायाम:-नियमित व्यायाम से खून का दौरा शरीर में बढ़ता है जिससे सभी पोषक तत्व शरीर में पहुंच जाते हैं। इसके अतिरिक्त डिटॉक्सिफिकेशन होता है जो त्वचा की चमक बरकरार रखने के लिए जरूरी है। नियमित व्यायाम से मेटाबालिज्म बढ़ता है जो मोटापे से दूर रखने में सहायक होता है। शरीर चुस्त और स्लिम रहता है। (उर्वशी)

स्तनपान से न कतराएं

पूनम दिनकर

भारतीय महिलाएं अपने बच्चों के लालन-पालन की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेती हैं। नतीजा यह होता है कि इससे मां और बच्चों के बीच स्नेहिल तथा ममतापूर्ण संबंध शुरू से ही होता है किन्तु आज के पश्चिमी अंधानुकरण की वजह से उच्चवर्गीय महिलाएं न तो बच्चे के लालन-पालन की ही जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेती हैं और न ही स्तनपान की ही।

मां के दूध से बच्चे के मानसिक व शारीरिक विकास में प्राकृतिक योगदान प्राप्त होता है। मां का दूध रोगों से लड़ने की शक्ति देने के साथ-साथ भावनात्मक जुड़ाव का माध्यम भी है परन्तु आधुनिक माताएं बच्चे को स्तनपान से दूर कर भावी पीढ़ी तथा खुद के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम कर रही हैं।

आज की फैशनेबल महिलाएं यह समझती हैं कि स्तनपान कराने से स्तन ढीले हो जाते हैं और फिगर खराब हो जाता है लेकिन यह सोच एकदम गलत है। अगर ऐसा होता तो जिन महिलाओं के बच्चे हुए ही नहीं या जो आजीवन कुंआरी रहती हैं, उनके स्तन ढीले होने ही नहीं चाहिए जबकि ऐसा नहीं होता। यह तो एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसमें उम्र के साथ सब कुछ हो सकता है।

स्तनों में ढीलापन उम्र के साथ-साथ आना अनिवार्य है। शरीर के वजन का भी स्तनों पर प्रभाव पड़ता है। स्तन वजन बढ़ने से लटक जाते हैं और वजन कम होने पर वे सामान्य आकार में आ जाते हैं। स्तनों के ढीलेपन को कम करने के लिए स्तनपान कराना नितान्त आवश्यक माना जाता है।

कामकाजी महिलाओं को स्तनपान कराने में थोड़ी दिक्कत आती है क्योंकि वे स्तनपान कराते समय दूसरा काम नहीं कर पाती। अगर महिला स्तनपान को भी आवश्यक कार्य मानकर कराना प्रारंभ कर दें तो महिलाओं की यह समस्या भी स्वतः ही दूर हो जाएगी। जब तक वह घर पर रहें, स्तनपान कराकर शिशु को संतुष्ट कर सकती हैं।

कई महिलाएं स्वतंत्र विचारों वाली होती हैं। आधुनिका कहलाने वाली ऐसी माताएं प्यार, ममता, स्नेह आदि का कोई विशेष महत्व नहीं रखती। ऐसी माताओं को अपने बच्चे के स्वास्थ्य से अधिक फिक्र अपने फिगर की होती है। यह जान लेना आवश्यक है कि स्वस्थ बच्चा ही भविष्य में माता-पिता के भार को वहन कर सकता है। अगर आपके अन्दर मातृत्व है और आप बच्चे को एक स्वस्थ व कामयाब नागरिक बनाना चाहती हैं, तो किसी भी भ्रम में न पड़कर उसे स्तनपान कराना प्रारंभ अवश्य कर दें। (उर्वशी)

विवाह की बढ़ती उम्र पर खामोशी क्यों?

नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी'

कुंवारे बैठे लड़के लड़कियों की एक गंभीर समस्या आज सामान्य रुप से सभी समाजों में उभर के सामने आ रही है। इसमें उम्र तो एक कारण है ही मगर समस्या अब इससे भी कहीं आगे बढ़ गई है क्योंकि 30 से 35 साल तक की लड़कियां भी कुंवारी बैठी हुई हैं।

इससे स्पष्ट है कि इस समस्या का उम्र ही एकमात्रा कारण नहीं बचा है। ऐसे में लड़के लड़कियों के जवां होते सपनों पर न तो किसी समाज के कर्ता-धर्ताओं की नजर है और न ही किसी रिश्तेदार और सगे संबंधियों की। हमारी सोच 'हमें क्या मतलब है, में उलझ कर रह गई है। बेशक यह सच किसी को कड़वा लग सकता है लेकिन हर समाज की हकीकत यही है। 25 वर्ष के बाद लड़कियां ससुराल के माहौल में ढल नहीं पाती, क्योंकि उनकी आदतें पक्की और मजबूत हो जाती हैं। अब उन्हें मोड़ा या झुकाया नहीं जा सकता जिस कारण घर में बहस, वाद विवाद और तलाक होता है। बच्चे सिजेरियन आपरेशन से होते हैं जिस कारण बाद में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

एक समय था जब संयुक्त परिवार के चलते सभी परिजन अपने ही किसी रिश्तेदार व परिचितों से शादी बालिग होते ही करा देते थे मगर बढ़ते एकल परिवारों ने इस परेशानी को और गंभीर बना दिया है। अब तो स्थिति ऐसी हो गई है कि एकल परिवार प्रथा ने आपसी प्रेम व्यवहार खत्म सा ही कर दिया है। अब तो शादी के लिए जांच पड़ताल में और कोई नेगेटिव करे या न करे, अपने ही खास सगे संबंधी नेगेटिव कर बनते संबंध खराब कर देते हैं।

उच्च शिक्षा और हाई जाब बढ़ा रही उम्र

यूं तो शिक्षा शुरू से ही मूल आवश्यकता रही है लेकिन पिछले डेढ़ दो दशक से इसका स्थान उच्च शिक्षा या कहें कि खाने कमाने वाली डिग्री ने ले लिया है। इसकी पूर्ति के लिए अमूमन लड़के की उम्र 23-24 या अधिक हो जाती है। इसके दो-तीन साल तक जाब करते रहने या बिजनेस करते रहने पर उसके संबंध की बात आती है। जाहिर से इतना होते-होते लड़के की उम्र तकरीबन 30 के इर्द-गिर्द हो जाती है। इतने तक रिश्ता हो गया तो ठीक नहीं तो लोगों की नजर तक बदल जाती है यानी 50 सवाल खड़े हो जाते है।

चिंता देता है उम्र का यह पड़ाव

प्रकृति के हिसाब से 30 प्लस का पड़ाव चिंता देने वाला है, न केवल लड़के-लड़की को बल्कि उसके माता-पिता, भाई-बहन, घर-परिवार और सगे संबंधियों को भी। सभी तरफ से प्रयास भी किए, बात भी जंच गई लेकिन हर संभव कोशिश के बाद भी रिश्ता न बैठने पर उनकी चिंता और बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, शंका-समाधान के लिए मंदिरों तक गए, पूजा-पाठ भी कराए, नामी विशेषज्ञों ने जो बताए, वे तमाम उपाय भी कर लिए पर बात नहीं बनती। मेट्रीमोनी वेबसाइट्स व वाट्सअप पर चलते बायोडेटा की गणित इसमें कारगर होते दिखाई नहीं देते। बिना किसी मीडिएटर के संबंध होना मुश्किल ही होता है मगर कोई मीडिएटर बनना चाहता ही नहीं है मगर इन्हें कौन समझाए कि जब हम किसी के मीडिएटर नहीं बनेंगे तो हमारा भी कोई नहीं बनेगा। एक समस्या यह भी हम पैदा करते जा रहे हैं कि हम सामाजिक न होकर एकांतवादी बनते जा रहे हैं।

'आखिर कहां जाए युवा मन'

अपने मन को समझाते-बुझाते युवा आखिर कब तक भाग्य भरोसे रहेगा। अपनों से तिरस्कृत और मन से परेशान युवा सब कुछ होते हुए भी अपने को ठगा सा महसूस करता है। हद तो तब हो जाती है जब किसी समारोह में सब मिलते हैं और एक दूसरे से घुल मिलकर बात करते हैं लेकिन उस वक्त उस युवा पर क्या बीतती है, यह वही जानता है। ऐसे में कई बार नहीं चाहते हुए भी वह उधर कदम बढ़ाने को मजबूर हो जाता है जहां शायद कोई सभ्य पुरूष जाने की भी नहीं सोचता या फिर ऐसी संगत में बैठता है जो बदनाम ही न करती हो।

ख्वाहिशें अपार, अरमान हजार

हर लड़की और उसके पिता की ख्वाहिश से आप और हम अच्छी तरह परिचित हैं। पुत्री के बनने वाले जीवनसाथी का खुद का घर हो, कार हो, परिवार की जिम्मेदारी न हो, घूमने-फिरने और आज से युग के हिसाब से शौक रखता हो और कमाई इतनी तगड़ी हो कि सारे सपने पूरे हो जाएं तो ही बात बन सकती है। हालांकि सभी के अरमान ऐसे नहीं होते लेकिन चाहत सबकी यही है। शायद हर लड़की वाला यह नहीं सोचता कि उसका भी लड़का है तो क्या मेरा पुत्रा किसी ओर के लिए यह सब पूरा करने में सक्षम है। यानी एक गरीब बाप भी अपनी बेटी की शादी एक अमीर लड़के से करना चाहता है और अमीर लड़की का बाप तो अमीर से करेगा ही। ऐसे में सामान्य परिवार के लड़के का क्या होगा? यह एक चिंतनीय विषय सभी के सामने आ खड़ा हुआ है।

संबंध करते वक्त एक दूसरे का व्यक्तित्व व परिवार देखना चाहिए न कि पैसा। कई ऐसे रिश्ते भी हमारे सामने हैं कि जब शादी की तो लड़का आर्थिक रूप से सामान्य ही था मगर शादी बाद वह आर्थिक रूप से बहुत मजबूत हो गया। ऐसे भी मामले सामने आते हैं कि शादी के वक्त लड़का बहुत अमीर था और अब स्थिति सामान्य रह गई। इसलिए लक्ष्मी तो आती जाती है, ये तो नसीबों का खेल मात्रा है।

समाजसेवा करने वाले लोग आज अपना नाम कमाने के लिए लाखों रुपए खर्च करने से नहीं चूकते लेकिन बिडम्बना है कि हर समाज में बढ़ रही युवाओं की विवाह की उम्र पर कोई चर्चा करने की व इस पर कार्य योजना बनाने की फुर्सत किसी के पास नहीं है। कहने को हर समाज की अनेक संस्थाएं हैं वे भी इस गहन बिन्दु पर चिंतित नजर नहीं आती।

पहल तो करें

हो सकता है इस मुद्दे पर समाज में पहले कभी चर्चा हुई हो लेकिन उसका ठोस समाधान अभी नजर नहीं आता। तो क्यों नहीं बीड़ा उठाएं कि एक मंच पर आकर ऐसे लड़कों व लड़कियों को लाएं जो बढ़ती उम्र में हैं और समझाइश से उनका रिश्ता कहीं करवाने की पहल करें। यह प्रयास छोटे स्तर से ही शुरू हो। (उर्वशी)

रेसिपी कार्नर

आम का हलवा

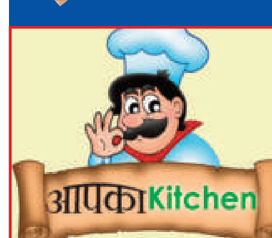

गर्मियों के मौसम में बाजारों में आम की बहार आ जाती है। आम फलों का राजा यू हीं नहीं होता है। आम का स्वाद जितना लाजवाब होता है, उतना ही इससे बनने वाले व्यंजन लजीज होते हैं। इस मौसम में लोग मैंगो आइसक्रीम या मैंगो शेक पीना काफी पसंद करते है। मैंगो शेक तो घर पर आसानी से मिनटों में तैयार हो जाता है, इसलिए आए दिन ही घर पर मैंगो शेक बनता है।

लेकिन क्या आपको पता है कि मैंगो शेक के अलावा आप आसानी से घर पर आम से क्या बना सकते हैं? जितना वक्त आपको मैंगो शेक बनाने में लगता है, लगभग उतने ही समय में आप आम का हलवा बना सकते हैं। अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं तो आम का हलवा एक बेहतरीन विकल्प है। यह मिठाई खासतौर पर आम की खुशबू और स्वाद से भरपूर होती है। आइए जानते हैं घर पर आम का हलवा आसानी से कैसे बनाएं।

आम का हलवा बनाने के लिए जरूरी सामग्री

- दो कप पके हुए आम का गूदा
- आधा कप सूजी
- चार बड़े चम्मच घी
- आधा कप चीनी
- आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- एक कप दूध
- आधा कप पानी
- केसर और काजू, बादाम कटे हुए

आम का हलवा बनाने की विधि

स्टेप 1- एक पैन गर्म करके उसमें दो चम्मच घी डालें

स्टेप 2- अब उसमें सूजी डालकर धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें।

स्टेप 3- जब सूजी से खुशबू आने लगे, तब उसमें दूध और पानी डालें।

स्टेप 4- इसे अच्छी तरह चलाते रहें ताकि गांठ न बने।

स्टेप 5- जब सूजी थोड़ा पक जाए, तब उसमें आम का गूदा और चीनी डालें।

स्टेप 6- अब इसे लगातार चलाते हुए पकाएं जब तक हलवा गाढ़ा न हो जाए।

स्टेप 7- अंत में बचे हुए घी और इलायची पाउडर डालकर मिला दें।

स्टेप 8- हलवा जब पैन से चिपके नहीं और अलग होने लगे तो गैस बंद कर दें।

स्टेप 9- ऊपर से कटे हुए ड्राय फ्रूट्स डालें और गरमागरम परोसें।

स्वस्थ भारत के लिए नमक, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और कम तेल का सेवन करने का संकल्प लें: जेपी नड्डा

बेंगलुरु : केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर हर भारतीय को नमक, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी करने का संकल्प लेना चाहिए। नड्डा के अनुसार, सही खान-पान के बारे में जागरूकता फैलाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। नड्डा, बेंगलुरु में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस) में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हर वर्ष सात जून को मनाया जाता है। नड्डा ने कहा, हमें अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को ध्यान में रखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कम से कम अपने घरों में हम तेल और नमक की खपत में 10 प्रतिशत की कमी ला सकें। यह सबसे जरूरी हिस्सा है। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन कम से कम हो। उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ रहने और सही खान-पान के लिए भारत को अपने पारंपरिक खाद्य व्यवहारों पर फिर से विचार करना चाहिए।

भारत कभी भी अपराधियों को पीड़ितों के समकक्ष रखने को स्वीकार नहीं करेगा: जयशंकर

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ व्यापक वार्ता के दौरान शनिवार को कहा कि भारत अपने सहयोगी देशों से यह अपेक्षा करता है कि वे उसकी आतंकवाद को कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति को समझे। साथ ही भारत कभी भी 'अपराध करने वालों' को पीड़ितों के समकक्ष रखने को स्वीकार नहीं करेगा। जयशंकर की यह टिप्पणी उस पृष्ठभूमि में आई है जब पिछले माह भारत और पाकिस्तान के बीच हुए चार दिन के सैन्य संघर्ष के बाद कई देशों द्वारा दोनों को एक ही तराजू पर तौलने को लेकर नयी दिल्ली में असहजता महसूस की जा रही है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी वैश्विक समुदाय को

स्पष्ट संदेश देने का प्रयास प्रतीत होती है। लैमी दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर आज सुबह नयी दिल्ली पहुंचे। ब्रिटेन की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर्थिक और प्रवासन संबंधों को मजबूत करना तथा ब्रिटिश व्यवसायों के लिए और अधिक विकास के अवसर प्रदान करना, ब्रिटेन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा की शीर्ष प्राथमिकता होगी। जयशंकर के साथ वार्ता करने से पहले, ब्रिटिश विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। लैमी के साथ बैठक के दौरान टेलीविज़न पर प्रसारित अपने संबोधन में जयशंकर ने बर्बर पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करने के लिए ब्रिटेन का आभार व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में लंदन द्वारा दिखाई गई एकजुटता और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का अनुसरण करते हैं और अपने सहयोगी देशों से अपेक्षा करते हैं कि वे इसे समझे। साथ ही, हम कभी भी अपराधियों को पीड़ितों के समकक्ष रखने को स्वीकार नहीं करेंगे। माना जाता है कि भारतीय पक्ष ने पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाले सीमापार आतंकवाद से निपटने की अपनी चुनौती को स्पष्ट किया। ब्रिटेन उन देशों में शामिल था जो पिछले माह 7-10 मई तक सैन्य संघर्ष के दौरान तनाव को कम करने के प्रयास में भारत और पाकिस्तान दोनों के संपर्क में थे। लैमी 16 मई को इस्लामाबाद की दो दिवसीय यात्रा पर भी गए थे जिस दौरान उन्होंने सैन्य संघर्ष रोकने के लिए भारत तथा पाकिस्तान के बीच 10 मई को बनी सहमति का स्वागत किया।

किसान कल्याण के लिए प्रयास और अधिक उत्साह के साथ जारी रहेंगे: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान उनकी सरकार की कई पहलों से किसानों की समृद्धि बढ़ी है और कृषि में बदलाव सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''अपने मेहनतकश किसानों की सेवा करना हमारा सौभाग्य है... हमने मृदा स्वास्थ्य और सिंचाई जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है, जो बहुत लाभकारी रहे हैं। आने वाले समय में किसानों के कल्याण की दिशा में हमारे प्रयास और भी अधिक उत्साह के साथ जारी रहेंगे मोदी ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहनों को पहले जहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उधार लेने को मजबूर होना पड़ता था, वहीं बीते 11 साल में हमारी सरकार के निर्णयों से उनका जीवन बहुत आसान हुआ है। उन्होंने किसानों के लिए वार्षिक नकद सहायता और ऋण बीमा योजना जैसे निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि चाहे 'पीएम किसान सम्मान निधि' हो या फिर 'किसान फसल बीमा' योजना, हमने उनके कल्याण के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अब न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में निरंतर बढ़ोतरी से देश के अन्नदाताओं को ना सिर्फ फसलों की उचित कीमत मिल रही है, बल्कि उनकी आय भी बढ़ रही है। नौ जून को मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल पूरे हो जाएंगे, जिसके मद्देनजर वह विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित अपनी सरकार के निर्णयों पर प्रकाश डाल रहे हैं। मोदी ने नौ जून, 2024 को लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी।

न्यूज इन ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और रेल मंत्री ने कटरा से श्रीनगर तक रेल यात्रा की

कटरा (जम्मू-कश्मीर) : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रियासी जिले के कटरा से श्रीनगर के नौगाम स्टेशन तक स्व-चालित निरीक्षण कार (एसपीआईसी) में यात्रा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (यूएसबीअ-रएल) का उद्घाटन किए जाने के बाद सिन्हा और वैष्णव ने रेल यात्रा की। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल ने मार्ग पर सभी सुरंगों एवं पुलों का निरीक्षण किया और सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। सिन्हा ने ट्रेन चालकों एवं रेलवे अधिकारियों से भी बातचीत की और कश्मीर को सभी मौसम में शेष भारत के साथ रेल संपर्क के जरिए जोड़े जाने पर खुशी व्यक्त की।

सोनिया गांधी ने उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद शिमला के अस्पताल में जांच कराई

शिमला : कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद, शनिवार को शिमला के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं अस्पताल ले जाया गया। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ. अमन ने बताया कि अपनी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ शिमला की निजी यात्रा पर आईं सोनिया गांधी (78) ने अस्पताल में कुछ जांच कराई और फिर चली गईं। उन्होंने बताया कि उनका रक्तचाप बढ़ गया था, लेकिन सब कुछ सामान्य था। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''गांधी को उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद, अस्पताल ले जाया गया था। यह एक नियमित जांच थी और अब वह घर लौट गई हैं।'' अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल में चिकित्सकों ने कुछ जांच की। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोमवार को अपनी बेटी प्रियंका के साथ शिमला की निजी यात्रा पर पहुंची थीं। वह शिमला के बाहरी इलाके छराबड़ा में प्रियंका के घर ठहरी हैं।

झारखंड में अगले पांच सालों में आदिवासी हो जायेंगे विलुप्त : पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास

दुमका : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शनिवार को आरोप लगाया कि आदिवासी संस्कृति को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है और अगर ऐसा ही चलता रहा तो अगले पांच साल में राज्य से आदिवासी विलुप्त हो जायेंगे। दास ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे, तो झारखंड देश का पहला राज्य था जिसने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन वर्तमान सरकार के तहत यह संगठन फलफूल रहा है। उन्होंने दावा किया, लगभग एक पखवाड़ा पहले, केंद्र ने झारखंड सरकार को बिना देरी के पीईएसए कानून लागू करने का निर्देश दिया था, ताकि वह अनुसूचित क्षेत्रों के विकास के लिए 1,400 करोड़ रुपये वितरित कर सके। हालांकि, राज्य सरकार नहीं चाहती कि कानून लागू हो।

वर्ष 2022 में कोविड से 86.5 लाख मौतें हुईं : सीआरएस की रिपोर्ट

नयी दिल्ली : वर्ष 2022 के दौरान देश में लगभग 86.5 लाख लोगों की मौत हुई जो कोविड प्रभावित वर्ष 2021 में हुई 1.02 करोड़ से अधिक लोगों की मौत की तुलना में 15 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट को दर्शाता है। नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के एक नए आंकड़े से यह जानकारी मिली। सीआरएस की रिपोर्ट के माध्यम से भारत के महापंजीयक कार्यालय द्वारा प्रदर्शित 2022 के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2021 के मुकाबले मौतों की संख्या में 15.74 लाख की गिरावट ने मृत्यु दर के आंकड़ों को मोटे तौर पर 2020 में देखी गई पूर्व-महामारी पैटर्न के अनुरूप ला दिया है। सीआरएस के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में देश भर में 1.02 करोड़ लोगों की मौतों के साथ मृतक संख्या में तेज उछाल दर्ज किया गया था, जबकि यह आंकड़ा 2020 में 81.1 लाख, 2019 में 76.4 लाख और 2018 में 69.5 लाख था। रिपोर्ट में कहा गया है, ''पंजीकृत मौतों के मामले में, मौतों की संख्या 2021 में 102.2 लाख से घटकर 2022 में 86.5 लाख रह गई यानी 15.4 प्रतिशत की कमी आई। गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार और हरियाणा जैसे कुछ प्रमुख राज्यों ने पंजीकृत मौतों की संख्या में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।''

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के मतदाताओं का अपमान किया है : फडणवीस

नागपुर : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में धांधली किये जाने का दावा कर यहां के लोगों और महिला मतदाताओं का 'अपमान' किया है। फडणवीस ने कहा कि गांधी द्वारा किए गए दावे आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की उनकी स्वीकारोक्ति के समान हैं। मुख्यमंत्री ने राहुल से अपील की कि वह झूठ बोलकर खुद को ''झूठा दिलासा'' देने से बचें। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर

चुनाव में कथित अनियमितता के बारे में चरणबद्ध तरीके से बताया है कि कैसे मतदाता सूची में फर्जी मतदाता जोड़े गए, मतदान प्रतिशत बढ़ा चढ़ा कर दिखाए गए, फर्जी मतदान कराए गए और बाद में सबूत छिपाए गए। गांधी ने 'दैनिक जागरण' और 'द इंडियन एक्सप्रेस' अखबार में प्रकाशित लेख की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''चुनाव की चोरी का पूरा खेल! 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट था।'' फडणवीस ने दोनों अखबारों में प्रकाशित राहुल के लेख की ओर इशारा करते हुए कहा कि गांधी को अज्ञानता से जागना चाहिए और कांग्रेस पार्टी के अधंकारमय भविष्य की जमीनी हकीकत को समझना चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जब तक राहुल गांधी जमीनी हालात को नहीं समझेंगे और खुद से झूठ बोलना तथा झूठे दिलासे देना बंद नहीं करेंगे, तब तक उनकी पार्टी कभी नहीं जीतेगी।

असम में विदेशियों की पहचान करने के अभियान में तेजी लायी जाएगी : हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआ-रसी) से संबंधित मामलों के कारण ''रोकी गई'' अवैध विदेशियों की पहचान करने की प्रक्रिया में तेजी लायी जाएगी। इस बीच, राज्य के विभिन्न हिस्सों में अवैध प्रवासियों का पता लगाने के नाम पर अल्पसंख्यकों के कथित ''उत्पीड़न'' के खिलाफ शनिवार को ईद की नमाज के दौरान विरोध प्रदर्शन हुए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पुराने कानून के विवरण पर विचार कर रही है, जो उसे घोषित किये जा चुके घुसपैठियों को न्यायपालिका का रुख किये बिना ही ''वापस भेजने'' की अनुमति देता है। नलबाड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की एक संवैधानिक पीठ ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए

पर एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि विदेशियों की पहचान करने के लिए असम सरकार को हमेशा न्यायपालिका से संपर्क करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, ''घुसपैठियों को निकालने का आदेश है, जो एक पुराना कानून है। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि यह कानून लागू है और इसके तहत उपायुक्त तत्काल वापस भेजने की अनुमति दे सकते हैं।''

असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार, नदियों में जलस्तर घटने का संकेत

गुवाहाटी : असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है क्योंकि ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख नदियों में जलस्तर घट रहा है, हालांकि राज्य के 18 जिलों में चार लाख से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकांश जिलों में बारिश कम हुई है और कुछ में छिटपुट बारिश हुई है, जिससे प्रमुख नदियों के जलस्तर में कमी आई है। धुबरी में ब्रह्मपुत्र, धरमतुल में कोपिली, हैलाकांडी के कटाखल में बराक नदी और श्रीभूमि में कुशियारा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बाढ़ जनित घटनाओं में शनिवार को किसी के हताहत होने की कोई

खबर नहीं है, हालांकि कामरूप (मेट्रो) जिले में एक व्यक्ति के लापता होने की खबर है। शनिवार की सुबह गुवाहाटी के रूपनगर इलाके में भूस्खलन हुआ और एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना है। भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ की मौजूदा पहली लहर ने अब तक 21 लोगों की जान ले ली है। बाढ़ के कारण 18 जिलों के 54 राजस्व हलकों (क्षेत्रों) के तहत 1,296 गांव प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा 16,558.59 हेक्टेयर कृषिभूमि अब भी जलमग्न है और 2,96,765 पशु प्रभावित हुए हैं।

उत्तर रेलवे ने कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया

जम्मू : उत्तर रेलवे ने शनिवार को कटरा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छह जून को कटरा से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह वंदे भारत ट्रेन कश्मीर को रेल मार्ग के जरिये देश के अन्य हिस्सों से जोड़ती है। कटरा से बारामूला या बारामूला से कटरा की यात्रा करने वाले यात्रियों में खासा उत्साह देखा गया। कई यात्रियों ने कहा कि वे लंबे समय से ट्रेन से कश्मीर की यात्रा का इंतजार कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि वाणिज्यिक परिचालन के पहले दिन ट्रेनें सुचारु रूप से चलीं और शाम तक ट्रेनें गंतव्यों पर पहुंच गईं।

केदारनाथ जा रहे हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में राजमार्ग पर उतारा गया, सभी यात्री सुरक्षित

रुद्रप्रयाग : उत्तराखंड के केदारनाथ जा रहे एक हेलीकॉप्टर में शनिवार को तकनीकी खराबी आने के बाद उसे रुद्रप्रयाग जिले में राजमार्ग पर आपात स्थिति में उत-रना पड़ा, जिससे उसमें सवार पांच तीर्थयात्री और एक पायलट बाल-बाल बच गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामूली रूप से घायल हुए पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में देखा जा सकता है कि केस्ट्रेल एविएशन का हेलीकॉप्टर राजमार्ग के बीच में खड़ा है और यह रिहायशी इमारतों के बहुत करीब था तथा उसके 'टेल रोटर' से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने

बताया कि हेलीकॉप्टर ने बड़ासू हेलीपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के कारण इसे आपात स्थिति में सिरसी के निकट राजमार्ग पर उतारना पड़ा। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में पायलट समेत छह लोग सवार थे और वे बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब लोगों ने हेलीकॉप्टर को हवा में असंतुलित होकर सड़क पर आपात स्थिति में उतरते हुए देखा, तो वे डर गए। केदारनाथ हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि इस घटना से केदारनाथ मंदिर के लिए हेली शटल सेवा प्रभावित नहीं हुई है।

अरुणाचल में बाढ़ की स्थिति में सुधार, राजधानी ईटानगर में पेयजल संकट

ईटानगर : अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति में शनिवार को सुधार आया और अधिकतर नदियों का जलस्तर घटने लगा है। हालांकि 24 जिलों के 33,000 लोग अब भी प्रभावित हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मानसून आने के बाद भूस्खलन सहित वर्षाजनित घटनाओं में 12 लोगों की मौत हुई है और एक व्यक्ति अब भी लापता है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) ने अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि राज्य में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 215 गांवों के 33,200 लोग प्रभावित हैं। इसमें कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में अधिकांश प्रमुख नदियों और उनकी सहायक नदियों के जलस्तर में कमी आई है। एसईओसी ने बताया कि बाढ़ से राज्य में 515 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और 432 मवेशियों की मौत हुई है। उसने बताया कि राज्य में 112 सड़कें और 17 पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं; बाढ़ से 51 जलापूर्ति परियोजनाएं, 17 बिजली पारेषण लाइन और आठ पनबिजली परियोजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। एसईओसी की दैनिक रिपोर्ट के मुताबिक चांगलांग सबसे अधिक प्रभावित जिला है, जहां छह गांव जलमग्न हो गए हैं और 2,231 लोग बेघर हो गए हैं। उसने बताया कि अचानक आई बाढ़ से ट्रांस अरुणाचल हाईवे पर बना माकनटोंग पुल बह गया, जिससे मियाओ और बोर्डुम्सा के बीच संपर्क टूट गया।

कमल हासन ने हिंदी थोपे जाने के मुद्दे पर कहा, 'बिना थोपे हम सीख लेंगे'

नयी दिल्ली : अभिनेता कमल हसन ने दक्षिण भारत के राज्यों पर हिंदी थोपे जाने के सवाल पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वह इस मुद्दे पर पंजाब, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के साथ हैं। हासन की इस हफ्ते 'ठग लाइफ' फिल्म प्रदर्शित हुई है जोकि उनके 65 साल के करियर की 234वीं फिल्म है। हासन की तमिल से कन्नड़ भाषा की उत्पत्ति वाली टिप्पणी को लेकर उठे विवादों के बीच 'ठग लाइफ' सिनेमाघरों में आई है। अपनी टिप्पणी को लेकर हासन ने माफी मांगने से इनकार कर दिया और 'ठग लाइफ' कर्नाटक में प्रदर्शित नहीं हुई। हासन ने

'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार के दौरान कहा, '' मैं 'एक दूजे के लिए' का अभिनेता हूं।'' हासन अपनी 1981 की लोकप्रिय हिंदी फिल्म 'एक दूजे के लिए' का संदर्भ दे रहे थे, जो एक तमिल लड़के और हिंदी बोलने वाली लड़की की प्रेम कहानी पर आधारित है। अभिनेता ने कहा, बिना थोपे हम सीख लेंगे। थोपें नहीं, क्योंकि यह शिक्षा का मामला है और हमें शिक्षा के लिए सबसे छोटा रास्ता अपनाना चाहिए ... न कि उसमें बाधाएं खड़ी करनी चाहिए। हासन तमिलनाडु से ताल्लुक रखते हैं, जहां सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) लंबे समय से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत लागू की गई तीन-भाषा नीति का विरोध कर रही है। पार्टी ने बार-बार भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार पर 'हिंदी थोपने' का प्रयास करने का आरोप लगाया है, जिसका केंद्र ने खंडन किया है।

उत्तरी सिक्किम में भूस्खलन प्रभावित छातेन से 76 सैन्यकर्मियों को हवाई मार्ग से निकाला गया

गंगटोक : उत्तरी सिक्किम में छातेन से कम से कम 76 सैन्यकर्मियों को शनिवार को हवाई मार्ग से निकाला गया जहां भारी बारिश की वजह से भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क टूट गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही ''समन्वित निकासी प्रयास'' पूरा हो गया है। इस प्रयास के तहत वहां फंसे सभी पर्यटकों को भी बचाया जा चुका है। एक अधिकारी ने बताया, ''कुल 76 सैन्यकर्मियों को तीन एमआई-17 हेलीकॉप्टर द्वारा हवाई मार्ग से निकाला गया। छातेन से हवाई निकासी अभियान आज समाप्त हो गया, हेलीकॉप्टर ने सेना के जवानों को छातेन से पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे तक पहुंचाया।'' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार पूरी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और आपदा प्रभावित क्षेत्र में सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने तथा प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने पाकिस्तान को अलग-थलग करने में नाकाम रहने को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार पहलगाम आतंकी हमले के बाद वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने में विफल रही है, और इसे भारतीय सैनिकों एवं नागरिकों के साथ ''आपराधिक विश्वासघात'' करार दिया। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बजाय, चीन ने उसे पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों से लैस कर दिया तथा विश्व बैंक और एडीबी (एशियाई विकास बैंक) ने पड़ोसी देश को और अधिक सहायता दी। उन्होंने दावा किया कि भारत में हुए आतंकवादी हमले के कुछ ही दिन बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष नामित कर दिया। खेड़ा ने कहा, ''पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले के बाद, हमें उम्मीद थी कि पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और वैश्विक स्तर पर उसे अलग-थलग किया जाएगा, लेकिन वास्तव में क्या हुआ? खेड़ा ने कहा, ''चीन, पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के 40 जे-35ए लड़ाकू विमान दे रहा है, जो अत्याधुनिक पीएल-17 मिसाइलों से लैस हैं। अजरबैजान 40 पाकिस्तानी जेएफ-17 लड़ाकू विमानों की खरीद में 2 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''विश्व बैंक ने पाकिस्तान के विकास के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर देने का वादा किया है। आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने पाकिस्तान को 1 अरब अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता राशि मंजूर की है। रूस ने कराची में एक इस्पात संयंत्र के पुनर्निर्माण के लिए 2.6 अरब अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किया है। खेड़ा ने यह भी दावा किया कि कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने वीजा नियमों में ढील दी है और 10 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश सौदों की पेशकश की है तथा चीनी अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन में पाकिस्तान के शामिल हो जाने से एशियाई कूटनीति में इस्लामाबाद का प्रभाव बढ़ गया है।

किडनी मरीज की उड़ान छूटी, शिंदे ने अपने चार्टर्ड विमान से उसे जलगांव से मुंबई पहुंचाया

ठाणे : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुर्दा की बीमारी से जूझ रही महिला मरीज की उड़ान छूट जाने पर मदद का हाथ बढ़ाते हुए उसे अपने चार्टर्ड विमान से जलगांव से मुंबई पहुंचाया। मुंबई के अस्पताल में महिला का गुर्दा प्रत्यारोपण किया जाना था। शिंदे के कार्यालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि यह घटना शुक्रवार रात जलगांव हवाई अड्डे पर हुई। बयान में कहा गया, ''उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शुक्रवार को जलगांव जिले के मुक्तैनगर में 'संत मुक्ताबाई पालखी प्रस्थान समारोह' में शामिल होने गए थे। मुंबई लौटते समय जलगांव हवाईअड्डे पर उनकी उड़ान थोड़ी देर से रवाना हुई। यही देरी एक महिला मरीज के लिए जीवन बचाने वाली साबित हुई, जिसे तुरंत गुर्दा प्रत्यार-

ोपण की जरूरत थी।'' बयान के अनुसार शीतल बोर्डे नामक महिला मरीज को निर्धारित गुर्दा प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया जाना था, लेकिन जब वह हवाई अड्डा पहुंचीं, तब तक उसकी उड़ान प्रस्थान कर चुकी थी। इससे उसे अपनी सर्जरी असंभव प्रतीत होने लगी। इसमें कहा गया कि जब बोर्डे ने अपनी परेशानी हवाईअड्डे पर मौजूद स्थानीय कार्यकर्ताओं को बताई, तो उन्होंने तुरंत राज्य के मंत्री गिरीश महाजन से संपर्क किया। इसके बाद महाजन ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मदद की अपील की।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए ब्रिटेन पहुंची भारतीय टीम

लंदन : भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के आखिर में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए ब्रिटेन पहुंच गई है। यह श्रृंखला 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है। भारतीय टीम शुक्रवार की रात को मुंबई से ब्रिटेन के लिए रवाना हुई थी। नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल भारतीय टीम की अगुआई करेंगे, जो रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के हाल ही में संन्यास लेने के बाद एक नए युग की शुरुआत होगी। कई भारतीय खिलाड़ी भारत ए टीम के हिस्से के रूप में पहले ही इंग्लैंड पहुंच चुके हैं। भारत ए अभी इंग्लैंड लायंस के खिलाफ तीन मैचों की अनधिकृत टेस्ट श्रृंखला में भाग ले रही है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किए गए साई सुदर्शन ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बनकर अच्छा लग रहा है विशेषकर टेस्ट श्रृंखला के लिए। ब्रिटेन में आपका स्वागत है।' पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इसके बाद बर्मिंघम (2-6 जुलाई), लॉर्ड्स (10-14 जुलाई), मैनचेस्टर (23-27 जुलाई) और ओवल (4-8 अगस्त) में मैच खेले जाएंगे।

ताइवान ओपन में भारत को छह स्वर्ण, याराजी ने 100 मीटर बाधादौड़ में मारी बाजी

ताइपे सिटी : एशियाई चैम्पियन ज्योति याराजी ताइवान एथलेटिक्स ओपन में शनिवार को महिलाओं की सौ मीटर बाधा दौड़ में अव्वल रही और भारत के छह एथलीटों को स्वर्ण पदक मिला। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी याराजी ने 12.99 सेकंड का समय निकाला। जापान की असुका तेराडा (13.04 सेकंड) और चिसातो कियोयामा (13.10 सेकंड) को क्रमश: रजत और कांस्य पदक मिला। याराजी ने 29 मई को दक्षिण कोरिया में एशियाई चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था जिसमें उन्होंने 12.96 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस सिरसे ने पुरूषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। ताइवान के सियेह युआन केइ (13.72 सेकंड) को रजत और कुइ रू चेन (13.75) को कांस्य पदक मिला। भारत की चार गुणा 100 मीटर रिले

टीम (गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांता होबलीधर और अमलान बोरगोहेन) ने 38.75 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वे अपने ही 38.69 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सेकंड के 600वें हिस्से से चूक गए। वे हालांकि तोक्यो विश्व चैम्पियनशिप के क्वालीफाइंग मार्क से भी चूक गए। सितंबर में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिये 14 देश क्वालीफाई कर चुके हैं और अब दो ही स्थान उपलब्ध हैं। नाइजीरिया और नीदरलैंड 38.20 सेकंड के साथ दौड़ में आगे हैं। महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (सुधीक्षा वदलुरी, स्नेहा सत्यनारायण, अबिनाया राजाराजन और नित्या गंधे) ने भी 44.06 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। अब्दुला अबूबाकर और पूजा ने क्रमश: पुरूषों की त्रिकूद और महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। अबूबाकर ने 16.21 मीटर की कूद लगाई हालांकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.19 मीटर है। पूजा ने चार मिनट 11.63 सेकंड का समय निकाला।

भारत को गिल को लंबे समय तक टेस्ट कप्तानी की जिम्मेदारी देनी चाहिए: पोंटिंग

नयी दिल्ली : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत ने टेस्ट टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपकर सही फैसला किया है और अब इस युवा बल्लेबाज को खुद को साबित करने के लिए लंबे समय तक मौका दिया जाना चाहिए। पोंटिंग को उम्मीद है कि भारतीय टीम मौजूदा बदलाव के दौर को अन्य देशों की तुलना में बेहतर तरीके से निपट सकती है। भारतीय टीम 20 जून से इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में नयी शुरुआत करेगी। टीम को हाल ही में संन्यास लेने वाले विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के अलावा फिटनेस संबंधी परेशानी का सामना कर रहे मोहम्मद शमी की सेवाएं नहीं मिलेंगी। पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यू' पर कहा, 'मुझे लगता है कि यह सही कदम है। मुझे पता है कि बहुत से लोग और विशेषज्ञ कह रहे हैं कि बुमराह को कप्तान क्यों नहीं बनाया गया और उन्होंने शुभमन को क्यों चुना, लेकिन मुझे लगता है कि इसे समझना बहुत ही सरल है।' उन्होंने कहा, 'बुमराह पिछले कुछ वर्षों से चोटिल होते रहे हैं और इसी वजह से वह इस दौड़ में थोड़े पीछे चले गये। आप कप्तान के साथ ऐसा (बार-बार चोटिल होना) नहीं चाहते हैं। ऐसे में

मुझे लगता है कि यह सही फैसला है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट ने जब यह तय कर लिया है, तो उन्हें इस पर टिके रहना होगा और गिल को लंबे समय तक टीम को नेतृत्व करने का मौका देना होगा।' पोंटिंग ने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों की जगह लेना मुश्किल होता है लेकिन भारत टेस्ट खेलने वाली किसी अन्य टीम की तुलना में बदलाव के इस दौर से बेहतर तरीके से निपट सकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसे खिलाड़ियों की जगह लेना हमेशा बहुत मुश्किल होता है क्योंकि वे लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट खेल रहे थे। इस तरह की परिस्थिति से अगर कोई देश अच्छे से निपट सकता है तो वह भारत ही है। उनके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है।'

वीरेंद्र कंवर भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के अध्यक्ष बने

नयी दिल्ली : हिमाचल प्रदेश के वीरेंद्र कंवर शनिवार को भारतीय वॉलीबॉल महासंघ (वीएफआई) के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने लंबे समय से प्रतीक्षित चुनावों में यहां नगालैंड के प्रेम सिंह बाजोर को मात्र दो वोट से हराया। इन चुनावों में अंतरिम निकाय का भी चयन किया गया। कंवर को 33 मत मिले जो बाजोर से दो ज्यादा थे। तीसरे उम्मीदवार बिहार के आनंद शंकर को एक भी मत नहीं मिला। यह चुनाव फरवरी 2024 में ही होने थे लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर अब हुए है। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, 'न्यायालय के आदेश के अनुसार चुनाव से संबंधित याचिकाओं पर निर्णय होने तक यह एक अंतरिम निकाय है। इसके अलावा महासंघ द्वारा आवश्यक संशोधन लाए जाने के बाद फिर से चुनाव कराए जाएंगे। महासंघ को इससे जुड़े घटनाक्रम पर न्यायालय को समय पर जानकारी देनी होगी।'

नव-निर्वाचित निकाय को अब महासंघ को खेल संहिता के अनुरूप बनाना होगा। उन्हें एथलीट आयोग का गठन करना होगा और खेल मंत्रालय तथा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा सुझाए गए रोडमैप के अनुसार आवश्यक संशोधन लाने होंगे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर ने कहा, 'न्यायालय के निर्देशों के अनुसार हम खेल संहिता के तहत सभी आवश्यक अनुपालन को लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम जल्द ही महत्वपूर्ण निर्णय लेने के साथ पारदर्शी और जवाबदेह महासंघ बनाने के लिए वार्षिक आम बैठक बुलाएंगे।'

गुकेश तीसरे स्थान पर रहे, कार्लसन ने सातवीं बार नॉर्वे शतरंज का खिताब जीता

स्टावेंजर (नॉर्वे) : विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से हारने के कारण नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने यहां रिकॉर्ड सातवां खिताब जीता। गुकेश ने 2018 के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कारूआना के खिलाफ समय समाप्त होने के कारण एक बड़ी गलती की इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मौका उनके हाथ से निकल गया है। गत विजेता कार्लसन ने शुक्रवार को 10वें राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ मुख्य बाजी ड्रॉ कराकर अपने अंकों की संख्या 16 पर पहुंचाई और इस तरह से खिताब अपने नाम पक्का किया। कारूआना 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। गुकेश 14.5 अंकों के साथ तीसरे जबकि एरिगैसी 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। एरिगैसी ने स्थानीय खिलाड़ी कार्लसन के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक जीता, लेकिन अंत में इसका कोई महत्व नहीं रहा। महिला वर्ग मे दो बार की विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन, यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक ने अंतिम राउंड में भारत की आर वैशाली से

आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारने के बावजूद 16.5 अंकों के साथ खिताब जीता। भारतीय खिलाड़ियों में कोनेरू हम्पी 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही जबकि वैशाली टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी।

भारत ए के खिलाफ इंग्लैंड लायंस के तीन विकेट पर 192 रन

नॉर्थम्पटन : तेज गेंदबाजी हरफनमौला शार्दुल ठाकुर और नीतिश कुमार रेड्डी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके और भारत ए के 348 रन के जवाब में इंग्लैंड लायंस ने चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को 46 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन बना लिये जब खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी रोकना पड़ा । भारतीय टीम प्रबंधन ठाकुर और रेड्डी को विकेट नहीं मिलने से चिंतित होगा क्योंकि दोनों इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में टीम में तेज गेंदबाजी हरफनमौला के एकमात्र स्थान के दावेदार हैं । कैंटरबरी में पहले चार दिवसीय मैच में ठाकुर ने 28 ओवर में 105 रन देकर दो विकेट लिये थे जबकि रेड्डी ने 14 . 5 ओवर में 63 रन देकर एकमात्र विकेट पाया था । यहां भी पिच से काफी स्विंग मिल रही थी लेकिन दोनों उसका फायदा नहीं उठा सके । ठाकुर ने छह ओवर डाले लेकिन कामयाबी नहीं मिली और रेड्डी को भी छह ओवर में कोई विकेट नहीं मिला । जोर्डन कॉक्स 31 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि जेम्स रियू ने अभी खाता नहीं खोला है । खराब रोशनी के कारण दूसरे दिन आखिरी सत्र में 13 ओवर ही फेंके जा सके । इंग्लैंड लायंस अभी भी 156 रन पीछे है । एमिलियो गे ने मेजबान टीम के लिये 117 गेंद में सात चौकों की मदद से 71 रन बनाये । उन्हें दिन के आखिरी ओवर में तनुष कोटियान ने पगबाधा आउट किया । लंच से पहले अंशुल कम्बोज ने भारत को पहली सफलता दिलाते हुए बेन मैकिनी (12) को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों लपकवाया । इससे पहले मैकिनी को आठवें ओवर में प्वाइंट पर जीवनदान मिला था । लंच के बाद तुषार देशपांडे ने टॉम हैंस को आउट करके दूसरे विकेट की 94 रन की साझेदारी को तोड़ा ।

राष्ट्रमंडल टीम से अरुणाचल के भारोत्तोलक को बाहर रखने पर रीजीजू से हस्तक्षेप की मांग

ईटानगर : अरुणाचल प्रदेश के एक सामाजिक कल्याण और सांस्कृतिक संगठन ने आगामी राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम से राज्य के भारोत्तोलक साम्बो लापुंग को बाहर किए जाने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन ने दावा किया कि पूर्वी कामेंग जिले के तीन बार के राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता लापुंग को 96 किलोग्राम वर्ग में शानदार रिकॉर्ड के बावजूद भारतीय टीम में जगह नहीं दी गयी। 'ईस्ट कामेंग सोशल वेलफेयर एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (ई के एस डब्ल्यू सी ओ)' ने शनिवार को मंत्री को ज्ञापन सौंपा कर अरुणाचल के भारोत्तोलक को भारतीय टीम से बाहर किए जाने को भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा 'निष्पक्षता और पारदर्शिता में गंभीर चूक' बताया। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों और संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू लोकसभा में अरुणाचल पश्चिम संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनसे आग्रह किया गया है कि वे संगठन द्वारा सैम्बो लापुंग के साथ हुए 'घोर अन्याय' मामले में उचित कदम उठाएं। लापुंग ने चंडीगढ़ (2022), ईटानगर (2023) और हिमाचल प्रदेश (2024) में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। ज्ञापन में कहा गया, 'यह निर्णय पूर्वोत्तर के खिलाड़ियों के प्रति रूढ़िवादी सोच और भेदभाव की परेशान करने वाली प्रवृत्ति को दर्शाता है।'

कृषि क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में बड़ा बदलाव आया, बजट पांच गुना हुआ : सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में विभिन्न सरकारी योजनाओं और बढ़े हुए बजटीय आवंटन के माध्यम से भारत के कृषि क्षेत्र में 'गहरा परिवर्तन' हुआ है, जिससे किसानों को खाद्य सुरक्षा से लेकर वैश्विक खाद्य नेतृत्व तक देश का नेतृत्व करने का अधिकार मिला है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस परिवर्तन ने छोटे किसानों, महिलाओं के नेतृत्व वाले समूहों और संबद्ध क्षेत्रों का समर्थन करके समावेशिता पर ध्यान केंद्रित किया है, जबकि भारत को वैश्विक कृषि नेता के रूप में स्थापित किया है। सरकार ने कहा, पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है, जो बीज से बाजार तक के दर्शन पर आधारित है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के लिए बजट

अनुमान 2013-14 में 27,663 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 1,37,664.35 करोड़ रुपये हो गया है, जो लगभग पांच गुना वृद्धि है। भारत का खाद्यान्न उत्पादन 2014-15 में 26.50 करोड़ टन से बढ़कर 2024-25 में अनुमानित 34.74 करोड़ टन हो गया है, जो कृषि उत्पादन में मजबूत वृद्धि दर्शाता है। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। गेहूं का एमएसपी 2013-14 में 1,400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2024-25 में 2,425 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जबकि धान का मूल्य 2013-14 में 1,310 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2025-26 में 2,369 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। फरवरी, 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना के तहत सरकार ने 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.7 लाख करोड़ रुपये वितरित किए हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना ने 7.71 करोड़ किसानों को लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का ऋण प्रदान किया है।

इन्फोसिस को राहत: डीजीजीआई ने 32,400 करोड़ रुपये का पूर्व-कारण बताओ नोटिस बंद किया

नयी दिल्ली : जीएसटी आसूचना महानिदेशक ने वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-22 के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस के खिलाफ कारण बताओ नोटिस की पूर्व कार्यवाही बंद कर दी है। इस मामले में 32,403 करोड़ रुपये की जीएसटी राशि शामिल है। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि डीजीजीआई से सूचना प्राप्त होने के साथ ही, 'यह मामला बंद हो गया है।' कंपनी ने शुक्रवार को कहा, जीएसटी पर 31 जुलाई, 2024; एक अगस्त, 2024 और तीन अगस्त, 2024 को हमारी पिछली सूचनाओं के क्रम में, यह सूचित करना है कि कंपनी को आज जीएसटी आसूचना महानिदेशक (डीजीजीआई) से एक संचार प्राप्त हुआ है, जिसमें वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-22 के लिए पूर्व-कारण बताओ नोटिस कार्यवाही को बंद कर दिया गया है। इन्फोसिस ने कहा कि उसे 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म' के तहत आईजीएसटी (एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर) का भुगतान न करने के मुद्दे पर जुलाई, 2017 से मार्च, 2022 की अवधि के लिए डीजीजीआई द्वारा जारी पूर्व-कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुआ है और उसका जवाब दे दिया गया है। इन्फोसिस ने कहा, इस अवधि के लिए पूर्व-कारण बताओ नोटिस के अनुसार, जीएसटी राशि 32,403 करोड़ रुपये थी। कंपनी को तीन अगस्त, 2024 को डीजीजीआई से एक संदेश मिला था, जिसमें वित्त वर्ष 2017-2018 के लिए पूर्व-कारण बताओ नोटिस कार्यवाही बंद कर दी गई थी। डीजीजीआई से आज के संचार की प्राप्ति के साथ, यह मामला बंद हो गया है।

अंबानी ने अपने शिक्षण संस्थान रहे आईसीटी को 151 करोड़ रुपये का दान किया

नयी दिल्ली : रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मुकेश अंबानी ने अपने शिक्षण संस्थान रहे 'इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी', मुंबई को बिना शर्त 151 करोड़ रुपये दान देने की घोषणा की है। अंबानी ने 1970 के दशक में आईसीटी से स्नातक किया था। उन्होंने शुक्रवार को आईसीटी में (जिसे पहले विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विभाग या यूडीसीटी के नाम से जाना जाता था) तीन घंटे से अधिक समय बिताया। वह प्रोफेसर एम एम शर्मा की जीवनी 'डिवाइन साइंटिस्ट' के प्रकाशन के लिए आयोजित समारोह में शामिल होने आए थे। अंबानी ने याद किया कि कैसे यूडीसीटी में प्रोफेसर शर्मा द्वारा दिए गए पहले व्याख्यान ने उन्हें प्रेरित किया और कैसे शर्मा ने बाद में भारत के आर्थिक सुधारों के शांत वास्तुकार की

भूमिका निभाई। शर्मा ने नीति निर्माताओं को इस बात पर जोर दिया कि भारत की वृद्धि का एकमात्र तरीका भारतीय उद्योग को लाइसेंस-परमिट राज से मुक्त करना है, जिससे भारतीय कंपनियों को पैमाने बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। भारतीय रासायनिक उद्योग के उत्थान का श्रेय शर्मा के प्रयासों को देते हुए अंबानी ने अपने भाषण में उन्हें 'राष्ट्र गुरु - भारत का गुरु' बताया।

जुलाई कर अवधि से मासिक जीएसटी भुगतान फॉर्म 3बी संपादन योग्य नहीं रहेगा

नयी दिल्ली : जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने शनिवार को कहा कि मासिक जीएसटी भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी जुलाई, 2025 की कर अवधि से गैर-संपादन योग्य हो जाएगा। एक परामर्श में, जीएसटीएन ने कहा कि करदाता उसी रिटर्न अवधि में अपना जीएसटीआर-3बी दाखिल करने से पहले जीएसटीआर-1ए में घोषित बाहरी आपूर्ति में बदलाव कर सकते हैं। इस तरह के बदलाव कर भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में स्वतः भर दिए जाएंगे। जीएसटीएन ने कहा, जुलाई, 2025 की कर अवधि से ऐसी 'ऑटो-पॉपुलेटेड' देयता गैर-संपादन योग्य हो जाएगी। जुलाई, 2025 कर अवधि के लिए अगस्त, 2025 में फॉर्म जीएसटीआर 3बी पेश किया जाएगा।

अमेरिकी पिज्जा ब्रांड लिटिल सीजर्स भारत में करेगा प्रवेश

नयी दिल्ली : अमेरिका स्थित दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी पिज्जा श्रृंखला लिटिल सीजर्स भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है। सबसे तेजी से बढ़ते त्वरित सेवा रेस्तरां बाजारों में से एक भारत, लिटिल सीजर्स के लिए 30वां बाजार होगा। लिटिल सीजर्स दुनिया की सबसे बड़ी पारिवारिक स्वामित्व वाली पिज्जा श्रृंखला है, जिसके लिए इसने अपने फ्रैंचाइजी साझेदार के रूप में हार्नेसिंग हार्वेस्ट को शामिल किया है। कंपनी के एक बयान के अनुसार, उसकी इस महीने दिल्ली-एनसीआर में अपना पहला रेस्तरां खोलने की योजना है। इसके बाद अन्य स्थानों पर भी इसकी योजना है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3260 अंक 070, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in